सुप्रीम कोर्ट के अगले जस्टिस होंगे संजीव खन्ना 11 नवंबर को देश के नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ट्विट कर दी जानकारी।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः29 अंकः175 दिनांकः28-10-2024 सोमवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

'मन की बात' के 115वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ठअब आत्मनिर्भर भारत अभियान एक जन-आंदोलन बनता जा रहा है।

केंद्र का दीपावाली तोहफा, 80 साल से ज्यादा उम्र वालों को मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र ने सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन में एक नई सुविधा जोड़ दी है। सरकार ने 80 साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अनुकंपा भत्ता देने का फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने 70 साल से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़े ऐलान की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार मंगलवार को आयुष्यमान भारत योजना लॉन्च करेगी. एक आधिकारिक सूत्र के मुताबिक, 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत 70 साल और उससे अधिक उम्र के सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा 26 अक्टूबर को लॉन्च होने की संभावना है। यह जानकारी लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा दी गई है।

सूत्रों के मुताबिक, इस योजना के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नियमित टीकाकरण का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखने के लिए विकसित 'यू-विन' पोर्टल भी लॉन्च करेंगे. यह पोर्टल फिलहाल पायलट आधार पर काम कर रहा है। इन दोनों परियोजनाओं के अलावा प्रधानमंत्री अन्य परियोजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक 80 साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अब अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिससे पेंशन का वितरण आसान और तेजी से किया जा सकेगा। सीसीएस (पेंशन) नियम 2021 के नियम 44 के तहत पेंशनर्स को मूल पेंशन के साथ अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता मिलेगा। जिसमें 80 से 85 साल के लिए मूल पेंशन का 20फीसदी, 85 से 90 के लिए मूल पेंशन का 30 फीसदी, 90 से 95 साल के लिए मूल पेंशन का 40 फीसदी, 95 से 100 साल के लिए मूल पेंशन का 50 फीसदी और 100 साल से ज्यादा उम्र के लिए मूल पेंशन का 100 फीसदी शामिल है। जैसा कि यदि किसी पेंशनर की आयु 81 साल है और उसे 5,000 रुपए की पेंशन मिल रही है, तो उसे अतिरिक्त पेंशन के रूप में 1,000 रुपए और मिलेंगे। इसी तरह 85 से 90 साल के पेंशनर को 1500 रुपए अनुकंपा भत्ता मिलेगा।

मंत्रालय के मुताबिक जब पेंशनर की आयु सीमा 80 साल तक पहुंचेगी, तो उस महीने के पहले दिन से अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता लागू हो जाएगा। यह निर्णय पेंशनर्स के जीवन-यापन को आसान बनाने के लिए लिया गया है, ताकि उन्हें कोई आर्थिक समस्या न हो। सभी पेंशनर्स को समय पर अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिले। इसके लिए मंत्रालय ने संबंधित विभागों और बैंकों को सूचना भेजने का निर्देश दिया है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए एबी-पीएमजेएवाई योजना शुरू होने के बाद 4.5 करोड़ परिवारों के लगभग छह करोड़ लोगों को लाभ होगा। वहीं, कोविड-19 वैक्सीन प्रबंधन प्रणाली 'को-विन' की तरह विकसित 'यू-विन' ऐप से गर्भवती महिलाओं के अलावा जन्म से लेकर 17 साल तक के बच्चों के टीकाकरण का भी स्थायी डिजिटल रिकॉर्ड रहेगा।

70 वर्ष और उससे अधिक आयु का प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान कार्ड के लिए पात्र है और विस्तारित योजना शुरू होने पर एबी पीएमजेएवाई के तहत सूचीबद्ध किसी भी अस्पताल में पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करा सकता है। 1 सितंबर-2024 तक 12696 निजी अस्पतालों सहित कुल 29648 अस्पतालों को इर्ळ्भ् के तहत सूचीबद्ध किया गया है। यह योजना वर्तमान में दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को छोड़कर 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, आधार कार्ड में दर्ज उम्र के अनुसार 70 साल या उससे अधिक उम्र का कोई भी वरिष्ठ नागरिक इस योजना के लिए आवेदन करने के लिए पात्र होगा।

बांद्रा स्टेशन पर अचानक मची भगदड़, 9 लोग घायल

मुंबई(ईएमएस)। मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह एक भगदड़ मच गई, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। यह घटना सुबह तीन से चार बजे के बीच हुई, जब यात्रियों की भारी भीड़ बांद्रा गोरखपुर एक्सप्रेस के लिए जुटी थी। सौभाग्य से, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भगदड़ के कारण घायलों को भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टर रितेश के मुताबिक, घायलों में से दो की हालत गंभीर है। घटना का कारण बताते हुए, अधिकारियों ने कहा कि बांद्रा गोरखपुर एक्सप्रेस का समय रीशेडयूल किया गया था। ट्रेन को सुबह 5:10 बजे रवाना होना था, लेकिन देरी के कारण सुबह करीब 3 बजे जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, तब प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। जनरल बोगी में चढ़ने के लिए लोगों की संख्या इतनी अधिक थी कि भगदड़ मच गई।

विज्ञप्तियों के अनुसार, दिवाली की छुट्टियों के चलते ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही थी। घटनास्थल पर इकट्ठा हुए यात्रियों के बीच हंगामा होने के बाद भगदड़ मच गई। घायलों में शब्बीर रहमान, परमेश्वर गुप्ता, रवींद्र चुमा, रामसेवक प्रजापति, संजय कांगेय, दिव्यांशु यादव, मोहम्मद शेख, इंद्रजीत सहनी और नूर शेख शामिल हैं। घटना के बाद, रेलवे अधिकारियों ने कहा कि वे इस मामले की जांच करेंगे और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय करेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए और बेहतर व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। इस घटना ने दिवाली की छुट्टियों के दौरान रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं को बढ़ा दिया है।

हादसा प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर सुबह करीब 6 बजे हुआ। अधिकारियों ने बताया कि प्लेटफॉर्म पर गोरखपुर-बांद्रा एक्सप्रेस आई थी, उसमें चढ़ने के लिए यात्रियों के बीच भगदड़ मच गई। घायलों की पहचान शब्बीर अब्दुल रहमान (40), परमेश्वर सुखदर गुप्ता (28), रवीन्द्र हरिहर चुमा (30), रवीन्द्र प्रसाद प्रजापति (29), संजय तिलकराम कांगे (27), दिव्यांशु यादव (18), मोहम्मद शरीफ शेख (25), इंद्रजीत साहनी (19) और नूर मोहम्मद शेख (18) के रूप में हुई है। इनमें से शाहनी और नूर की हालत गंभीर है। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भारत का युवा कार्यबल बनेगा कुशल प्रतिभा का केंद्रः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के युवाओं को उनके कौशल विकास के प्रयासों के लिए बधाई दी है और कहा, कि देश का युवा कार्यबल भारत को कुशल प्रतिभा का वैश्विक केंद्र बना रहा है। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री ने कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह 2024 में एक लिखित संदेश के माध्यम से दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस समारोह को महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह केवल छात्रों के प्रशिक्षण को पूरा करने का उत्सव नहीं है, बल्कि उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत भी है। उन्होंने कहा, इन युवा पेशेवरों द्वारा प्राप्त किए गए कौशल में भारत के विकास को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करने की अपार क्षमता है।

एमएसडीई युवाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित

मोदी ने कुशल युवाओं की भूमिका को भारत की सबसे बड़ी शक्ति माना और कहा कि युवा कार्यबल की विशेषज्ञता और संख्या के कारण भारत वैश्विक स्तर पर कुशल प्रतिभा के पावरहाउस के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने इस बात का आश्वासन दिया कि भारत सरकार का एमएसडीई युवाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित है और भविष्य के लिए तैयार, वैश्विक रूप से प्रासंगिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि इंटर्नशिप के अवसरों में वृद्धि, तकनीकी शिक्षा के उन्नयन, और मूल्यवान अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से, भारत के युवा पेशेवर वैश्विक कार्यबल पर स्थायी प्रभाव डालेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रयास भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देगा, जिससे देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

इस कार्यक्रम का आयोजन 15,000 से अधिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और 33 राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थानों (एनएसटीआई) में एक साथ किया गया, जो कि देश के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री ने आईटीआई और एनएसटीआई से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) और शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) के टॉपर्स को भी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने कौशल का उपयोग देश की सेवा में करें और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान दें।

आयुष्मान योजना का पोर्टल बंद, करना होगा इंतजार

आयुष्मान भारत योजनाः वरिष्ठ नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण अपडेट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आयुष्मान भारत योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई है। इसके तहत अब 70 साल से अधिक बुजुर्ग भी स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्राप्त कर सकेंगे। इस योजना की प्रारंभ की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अक्टूबर को एक कार्यक्रम के दौरान कर सकते हैं। इसके लिए मध्य प्रदेश के बुजुर्ग आयुष्मान भारत योजना पोर्टल में आवेदन कर रहे हैं, लेकिन पोर्टल बंद होने के चलते ऐसा नहीं हो पा रहा है। जल्द ही पोर्टल प्रारंभ होगा, जिसके बाद कार्रवाई आगे बढ़ सकेगी।

इस विस्तार के तहत लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा। यह कदम सरकार के उस वादे को पूरा करता है, जिसमें सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की बात कही गई थी।

हालांकि, वर्तमान में आयुष्मान भारत योजना का पोर्टल बंद है, जिसके कारण नए आवेदन स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। आयुष्मान भारत निरामयम योजना मध्य प्रदेश के सीईओ डॉ. योगेश भरसाट ने बताया कि पोर्टल पर डेटा अपडेट करने का काम चल रहा है और जल्द ही यह सुविधा फिर से शुरू होगी। वरिष्ठ नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे परेशान न हों और कुछ समय बाद फिर से आवेदन करें।

मध्य प्रदेश में स्थिति

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी इस योजना का लाभ लेने के लिए लोगों को थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। लगभग एक लाख पात्र बुजुर्गों को अभी आयुष्मान योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है, लेकिन जैसे ही पोर्टल फिर से खुलता है, वे आवेदन कर सकेंगे। सरकार ने आश्वासन दिया है कि सभी वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना का लाभ मिलेगा और पोर्टल बंद होने की स्थिति केवल अस्थायी है। जैसे ही डेटा अपडेट का काम पूरा होता है, आवेदन प्रक्रिया फिर से शुरू हो जाएगी।

भारत में बढ़ी करदाताओं की संख्या, एक दशक में 5 गुना बढ़कर 2.2 लाख हुई

-एसबीआई रिपोर्ट से हुआ खुलासा, 2024 में 8.62 करोड़ ने दाखिल किया आईटीआर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में करदाताओं की संख्या पिछले दशक में बढ़ी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के आर्थिक विभाग द्वारा जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक असेसमेंट ईयर (एवाई) 2024 में करोड़पति करदाताओं की संख्या 2.2 लाख हो गई है, जो कि एवाई 2014 की तुलना में पांच गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले दस सालों में कुल करदाताओं की संख्या में 2.3 गुना बढ़ी है। इस दौरान, असेसमेंट ईयर 2024 में कुल 8.62करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए हैं, जबकि 2022 में यह संख्या 7.3 करोड़ थी।

रिपोर्ट के मुताबिक यह आंकड़े यह बताते हैं कि 10 लाख रुपए से ज्यादा कमाने वालों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट में यह बताया है कि मध्यम वर्ग की आय में पिछले दस सालों में भारी बढ़ोरती हुई है। असेसमेंट ईयर 2024 में, मध्यम वर्ग की आय 2.5 लाख रुपए से 10 लाख रुपए के बीच थी, जबकि 2014 में यह 1.5 लाख रुपए से 5 लाख रुपए के बीच थी। इससे यह साफ होता है कि देश में आर्थिक विकास हो रहा है और लोग ज्यादा आय अर्जित कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि असेसमेंट ईयर 2024 में जमा हुए आईटीआर में से 6.89 करोड़ यानी करीब 79 फीसदी रिटर्न अंतिम तारीख से पहले ही दाखिल किए गए हैं। इसके अलावा, असेसमेंट ईयर 2025 में रिटर्न जमा करने की अंतिम तारीख तक 7.3 करोड़ आईटीआर जमा होने की उम्मीद है, और मार्च 2025 तक कुल 2 करोड़ और आईटीआर जमा होने की संभावना है, जिससे कुल संख्या 9 करोड़ के पार जा सकती है।

वृद्धि के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है, उसके बाद उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु का स्थान है। प्रतिशत वृद्धि के मामले में मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड जैसे छोटे राज्यों ने पिछले नौ सालों में 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। उल्लेखनीय है कि व्यक्तिगत कर दाखिल करने वालों में महिलाओं की संख्या करीब 15 फीसदी है और केरल, तमिलनाडु, पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में महिला करदाताओं की हिस्सेदारी ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करदाता आधार के विस्तार और आय में वृद्धि को देखते हुए, आर्थिक विकास की दिशा में सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

साइक्लोन की वजह से देश के कई क्षेत्रों में गिरने लगा पारा

नई दिल्ली (ईएमएस)। साइक्लोन दाना का प्रभाव अब काफी कम हो चुका है, लेकिन इसके चलते ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार में अभी भी कुछ प्रभाव महसूस किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई है।

इस साइक्लोन के कारण इन क्षेत्रों में तापमान में गिरावट आई है, जबकि दिल्ली में भी ठंड का मौसम शुरू हो चुका है। साइक्लोन दाना ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अन्य तटीय क्षेत्रों में मूसलधार बारिश लाई, लेकिन जानमाल का नुकसान सीमित रहा। झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में तूफान का प्रभाव देखा गया। दिल्ली की बात करें तो यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच गया था, जो 400 के पार चला गया था।

हालांकि, शनिवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ, जहां एक्यूआई 274 दर्ज किया गया।

अगले दो से तीन दिनों में एक्यूआई में सुधार की संभावना है, लेकिन दीपावली के बाद वायु गुणवत्ता में फिर से गिरावट की उम्मीद है। दिल्ली में तापमान सामान्य बना हुआ है, सुबह के समय सिहरन महसूस की जा रही है। शनिवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी तट, विशेषकर पश्चिम बंगाल और ओडिशा में हल्की बारिश की संभावना है, लेकिन झारखंड और बिहार में बारिश की संभावना नहीं है। इन क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। झारखंड की राजधानी रांची में अधिकतम तापमान गिरकर 22.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है, जो औसत से लगभग तीन डिग्री कम है।

मौसम विभाग ने देशभर में बारिशका कोई बड़ा अलर्ट जारी नहीं किया है, लेकिन आईएमडी के अनुसार, केरल, दक्षिणी तामिलनाडु और लक्षद्वीप के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। शनिवार को ओडिशा के बालासोर में 240 मिलीमीटर, पश्चिम बंगाल के 24 परागना में 170 मिमी और झारखंड के पाकुड़ जिले में 80 मिमी बारिश दर्ज की गई।

रेव पार्टी में पकड़े गए 21 लडक़े, 14 लड़कियां - साउथ के दिग्गज नेता का रिश्तेदार था आर्गनाइजर

हैदराबाद (ईएमएस) । तेलंगाना के साइबराबाद में रेव पार्टी का खुलासा हुआ है। एक हाई प्रोफाइल छापेमारी में फॉर्महाउस पर रेव पार्टी करते गुए 35 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस रेव पार्टी के तार ्यञ्चक्र के करीबी से जुड़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामाराव के रिश्तेदार माने जाने वाले राज पाकला के जणवाड़ा फार्महाउस पर एक हाई-प्रोफाइल छापेमारी में अवैध शराब और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। नरसिंगी पुलिस, विशेष अभियान दल, और आबकारी अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की गई। बताया गया कि मकिला पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत स्थित इस फार्महाउस में एक रेव पार्टी की सूचना मिलने पर छापेमारी कई गई थी।

देर रात हुए इस छापे में अधिकारियों ने पार्टी में मौजूद 35 लोगों को हिरासत में लिया, जिसमें 21 पुरुष और 14 महिलाएं शामिल थीं। छानबीन के दौरान 10।5 लीटर विदेशी शराब की सात बोतलें और दस भारतीय शराब की बोतलें भी बरामद की गईं, जिनके लिए कोई लाइसेंस नहीं था। यह राज्य के आबकारी कानूनों का उल्लंघन है। रेव पार्टी के तार ्यञ्चक्र के करीबी से जुड़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामाराव के रिश्तेदार माने जान खुलासा हुआ है।

50 फ्लाइट्स को बम की धमकी

14 दिनों में 350 से ज्यादा धमकियां

नई दिल्ली (ईएमएस) । तीन इंडियन एयरलाइंस की 50 फ्लाइट्स को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें इंडिगो की 18, विस्तारा की 17 और अकासा की 15 फ्लाइट्स शामिल हैं। इस तरह 14 दिनों में 350 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिल चुकी है। हालांकि जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकली हैं।

उधर, केंद्र सरकार ने इन धमकियों पर सख्त रवैया अपनाया है। आईटी मिनिस्ट्री ने 26 अक्टूबर को एडवाइजरी जारी कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से कहा कि अगर वे ऐसी झूठी सूचनाओं को फौरन नहीं हटाते हैं तो उन्हें आईटी एक्ट के तहत मिलने वाली इम्युनिटी रद्द कर दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी सूचनाओं को तुरंत हटाकर इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी देनी होगी। पिछले दिनों प्लेन को मिली धमकियों की वजह से एयरलाइंस सर्विस बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। एविएशन मिनिस्ट्री को 600 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

पीएच-डी पर एक करोड़ खर्च किए, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने किया बाहर

नई दिल्ली(ईएमएस)। विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना देखना जितना सरल है, उसे वास्तविकता में बदलना उतना ही चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तमिलनाडु की लक्ष्मी बालकृष्णन के साथ हुआ एक हालिया मामला इस बात का उदाहरण है। लक्ष्मी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से इंग्लिश में पीएचडी कर रही थीं और इस कार्यक्रम के लिए उन्होंने लगभग 1 करोड़ रुपये खर्च किए थे। लेकिन चौथे वर्ष में पहुंचते ही उन्हें अचानक इस प्रोग्राम से निकाल दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लक्ष्मी को पीएचडी कार्यक्रम से बाहर कर दिया गया और उन्हें मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम में स्थानांतरित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मी ने पहले ही दो बार मास्टर्स डिग्री प्राप्त की है। ऑक्सफोर्ड में उनके पीएचडी असाइनमेंट के मूल्यांकन के बाद, समीक्षकों ने यह निष्कर्ष निकाला कि शेक्सपियर पर उनकी रिसर्च पीएचडी स्तर की नहीं है, जिसके कारण उन्हें फेल कर दिया गया। उनकी इच्छा के विरुद्ध, उन्हें मास्टर्स प्रोग्राम में भेजा गया।

लक्ष्मी ने बताया कि ऑक्सफोर्ड के पीएचडी प्रोग्राम में दाखिला लेने से पहले वे भारत में दो बार मास्टर्स की पढ़ाई कर चुकी थीं। उन्होंने पीएचडी के लिए 100,000 यूरो यानी लगभग 1 करोड़ रुपये का निवेश किया था, और उनका कहना है कि यह फीस उन्हें पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने के लिए दी गई थी, न कि एक और मास्टर्स डिग्री के लिए।लक्ष्मी का यह भी कहना है कि शेक्सपियर पर विशेष ध्यान देने वाले दो प्रोफेसर्स ने उनकी रिसर्च को सराहा था और इसे पीएचडी के योग्य भी माना था। हालांकि, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स ने उनके काम को अस्वीकार कर दिया। लक्ष्मी ने इस निर्णय को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया, लेकिन वह इस मामले में हार गईं। इस मामले ने विदेशी उच्च शिक्षा की चुनौतियों और संस्थानों की नीतियों पर सवाल उठाए हैं, जो छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर सकती हैं।

शीतकालीन सत्र में जम्मू-कश्मीर को मिलेगा पूर्ण राज्य का दर्जा

- जम्मू-कश्मीर का पहला सत्र जम्मू में

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए सहमत हो गए हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कानून मंत्रालय, शीतकालीन सत्र में जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

केंद्र सरकार ने पहले भी संसद में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को स्वीकार किया था। जम्मू कश्मीर की नई सरकार की कैबिनेट ने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए उपराज्यपाल को कैबिनेट का प्रस्ताव भेज दिया है। उपराज्यपाल ने यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया है। जिससे लगता है, कि इसी सत्र में जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद पुलिस और कानून व्यवस्था पर राज्य सरकार का अधिकार होगा। भूमि,राजस्व और पुलिस से जुड़े हुए मामलों पर कानून बनाने का अधिकार होगा। उप राज्यपाल के अधिकार खत्म हो जाएंगे।यहां पर राजपाल की नियुक्ति होगी। सरकार चलाने के लिए केंद्र पर निर्भरता कम होगी। पूर्ण राज्य के रूप में केंद्र की सहायता अन्य राज्यों की तरह मिलने लगेगी।

केंद्र की सरकार मैं भाजपा के पास पूर्ण बहुमत नहीं है।ऐसी स्थिति में अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडिया गठबंधन के अन्य दलों पर भी डोरे डाल रहे हैं।जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देकर इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को केंद्र सरकार अपने पाले में लाना चाहती है। केंद्र सरकार का यह पहला कदम माना जा रहा है।

नेताओं और जजों की मुलाकात से फैसलों पर कोई फर्क नहीं पड़ताः सीजेआई

नई दिल्ली(ईएमएस)। पिछले महीने सीजेआई चंद्रचूड़ के आवास पर गणपति पूजा में प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे थे। इसके बाद विपक्षी नेताओं, कई पूर्व जजों और जानेमाने वकीलों ने इस पर आपत्ति जता दी थी। एक कार्यक्रम के दौरान सवालों का जवाब देते हुए हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि चीफ जस्टिस और मुख्यमंत्रियों के बीच भी कई बार पारंपरिक तौर पर मुलाकात होती है। अब लोग क्या सोचते हैं कि वे क्यों मिल रहे हैं। वे किसी फैसले को लेकर मुलाकात नहीं करते हैं। और इन मुलाकातों से फैसलों पर कोई असर भी नहीं पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक एक कार्यक्रम के दौरान सीजेआई से सवाल किया गया कि बड़े न्यायिक अधिकारियों और राजनेताओं के बीच गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस या अन्य अवसरों पर मुलाकात होती रहती है? इस पर जवाब देते हुए सीजेआई ने कहा, हमारे पॉलिटिकल सिस्टम की परिपक्वता इसी बात पर निर्भर करती है कि जूडिशरी और उनके बीच विचारों में काफी अंतर होता है।

सीजेआई ने कहा, मीटिंग में किस बातपरचर्चाहुई। मुख्यमंत्री कभी नहीं कहता कि किसी लंबित मामले को लेकर बातचीत की गई। उन्हें भी पता रहता है कि हम दोनों का क्षेत्र अलग-अलग है। वहीं हाई कोर्ट और सरकारों के बीच प्रशासनिक संबंध बना रहता है। इसी तरह केंद्र में भी काम होता है। लेकिन हम इतना परिपक्व हैं कि हमें पता रहता है कि इससे न्यायिक कामकाज या फैसलों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। सीजेआई ने कहा न्यायिक कामकाज नई इमारतों के निर्माण के लिए सरकार ही बजट पास करती है।

कोर्ट ले जाते समय बिगड़ी हालत, अस्पताल में युवक की मौत

-परिजनों ने लगाए थाने में मारपीट के आरोप, जांच शुरु

लखनऊ,(ईएमएस)। लखनऊ में एक युवक की कस्टोडियल डेथ का मामला सामने आया है। युवक मोहित पांडे की पुलिस हिरासत में मौत हो गई, जिससे परिजनों में आक्रोश है। दरअसल, शुक्रवार को बच्चों के झगड़े में विवाद के बाद पुलिस ने मोहित पांडे और उनके भाई शोभाराम को गिरफ्तार किया था। शनिवार को कोर्ट ले जाने के दौरान मोहित की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि मोहित के साथ थाने में मारपीट हुई है। मृतक की मां तपेश्वरी देवी ने एडीसीपी पूर्वी लखनऊ को शिकायत में बताया कि पुलिसकर्मियों और दूसरे पक्ष के कुछ लोगों पर संगीन आरोप लगाए हैं। शिकायत के मुताबिक शुक्रवार रात मामूली विवाद के बाद पुलिस मोहित और आदेश को थाने लेकर आई थी। मोहित का भाई शोभाराम जब उससे मिलने थाने पहुंचा तो उसे भी हिरासत में ले लिया गया। परिजनों का आरोप है कि शोभाराम को पुलिस ने यह कहते हुए बंद कर दिया कि वह शराब के नशे में था, जबकि दूसरे पक्ष को छोड़ दिया गया क्योंकि आदेश के चाचा एक स्थानीय नेता हैं।

परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने थाने में मोहित के साथ मारपीट की, जिससे उसकी लॉकअप में ही मौत हो गई। इसके बाद जब परिजन थाने पहुंचे तो उन्हें मोहित से मिलने नहीं दिया गया। बाद में परिवार को सूचना दी गई कि मोहित को लोहिया अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन इस घटना से स्थानीय लोगों में रोष है और निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। पुलिस का कहना है कि मोहित की तबीयत अचानक बिगड़ी थी, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था।

इसरो प्रमुख ने बताया चंद्रमा पर इंसान भेजने का प्लान, तारीख का भी किया खुलासा

श्रीहरिकोटा(ईएमएस)। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने आकाशवाणी पर सरदार पटेल मेमोरियल व्याख्यान देते हुए कुछ महत्वपूर्ण आगामी मिशनों की नई तारीखों का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि भारत के पास सितारों और आकाशगंगाओं का अध्ययन करने की एक पुरानी और समृद्ध परंपरा है। यह एक लंबे समय के बाद है कि देश खगोल विज्ञान के क्षेत्र में नया ज्ञान पैदा कर रहा है और अंतरिक्ष अन्वेषण में वैश्विक प्रयासों में योगदान कर रहा है। इसरो के अध्यक्ष ने बताया कि जापान की स्पेस एजेंसी जाक्सा के साथ संयुक्त चंद्रमा लैंडिंग मिशन चंद्रयान-5 मिशन होगा। इसे मूल रूप से एलयूपीईएक्स (लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन) कहा जाता था। उन्होंने इसकी लॉन्च के लिए समय सीमा का उल्लेख नहीं किया। एलयूपीईएक्स मिशन पहले 2025 के भीतर लॉन्च करने के लिए निर्धारित था, लेकिन अब जब इसे चंद्रयान-5 के रूप में बताया गया है। इसकी उम्मीद 2028 के बाद ही की जा सकती है। यह एक बहुत भारी मिशन होगा जिसमें लैंडर भारत द्वारा प्रदान किया जाएगा, जबकि रोवर जापान से आएगा। चंद्रयान-3 पर रोवर का वजन केवल 27 किलोग्राम था, लेकिन इस मिशन में 350 किलोग्राम का रोवर होगा। यह एक विज्ञान-प्रधान मिशन है जो हमें चंद्रमा पर मानवों के उतरने के एक कदम करीब ले जाएगा।'' भारत ने 2040 तक चंद्रमा पर मानव मिशन की योजनाओं का अनावरण किया है।

सोमनाथ के मुताबिक, मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान संभवतः 2026 में लॉन्च किया जाएगा। साथ ही चंद्रमा से नमूना लेकर वापस लौटने वाला मिशन चंद्रयान-4 2028 में लॉन्च होने की संभावना है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि भारत-यूएस संयुक्त निसार मिशन को अगले साल के लिए निर्धारित किया गया है। सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी उद्यमों के लिए खोलने, नई सक्षम नीतियों और युवा उद्यमियों द्वारा दिखाए गए उत्साह ने भारत में एक जीवंत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है। उन्होंने कहा, ''हमारी वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में योगदान अभी भी लगभग 2 प्रतिशत है। हमारी आकांक्षा इसे अगले 10-12 वर्षों में लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़ाना है। लेकिन इसरो अकेले इसे हासिल नहीं कर सकता। हमें अन्य हिस्सेदारों की भागीदारी की आवश्यकता है। स्टार्ट-अप से लेकर बड़ी कंपनियों तक सभी को भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में आकर भाग लेना होगा। हम उन सक्षम तंत्रों को बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो कंपनियों के लिए इसरो के साथ काम करना आसान बनाएं।''

भारत में अमीरों और गरीबों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी

- 1 साल में एक करोड़ से ज्यादा कमाने वालों की संख्या 75000 बढ़ी। 2।83 लाख करोड़पति

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में करोड़पतियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। उससे ज्यादा अनुपात में गरीबों की संख्या भी बढ़ रही है। मध्य और निम्न मध्यम वर्ग की संख्या मैं कोई खास इजाफा देखने को नहीं मिल रहा है।

वर्ष 2024-25 के आयकर विभाग के जो आंकड़े जारी हुए हैं।उसके अनुसार 30 सितंबर तक जो आयकर रिटर्न भरी गई है। उसमें सबसे ज्यादा वृद्धि एक करोड़ से अधिक आय होने वाले लोगों की संख्या है। आयकर विभाग ने अब करोड़पतियों की दो श्रेणी बना दी है। एक श्रेणी में एक करोड़ से 5 करोड़ क़ी आय तक के करोड़पतियों को रखा गया है। दूसरी श्रेणी में 5 से 10 करोड रुपए की आय वालों को रखा गया है। दूसरी श्रेणी के करोड़पतियों में जिनकी आय 5 से 10 करोड रुपए के बीच है। उनकी संख्या मात्र 16 हजार से ज्यादा है।

2023-24 में एक करोड़ से ज्यादा आयकर दाताओं की संख्या 2।08 लाख थी।जो 2024-25 में बढ़कर 2।83 लाख हो गई है।50 लाख से एक करोड़ के बीच वर्ष 2023-24 में 4।25 लाख लोग थे। जो 2024-25 में बढ़कर 5।50 लाख हो गए हैं। 10 लाख से 50 लाख रुपए तक की आय वाले 2023-24 में 81।59 लाख लोग थे। जो 2024-25मेंबढ़कर 117।15 लाख हो गए हैं। सरकार ने आयकर कानून और अन्य नियमों में जो बदलाव किए हैं। उसके बाद आयकर दाताओं की संख्या 2020-21के बाद से तेजी के साथ बढ़ाना शुरू हुई है। आयकर की चोरी कम हुई है।

जन हितैषी

शेयर बाजार का कोहराम मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ा खतरा

भारतीय शेयर बाजार अक्टूबर माह में निरंतर गोता लगा रहा है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार छोड़कर चीन की ओर रुख कर रहे हैं। 5000 अंकों से ज्यादा की गिरावट शेयर बाजार में पिछले एक माह में आई है। विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से एक लाख करोड रुपए की निकासी कर ली है। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार 79298 अंकों पर बंद हुआ। एक ही दिन में निवेशकों के 10 लाख करोड रुपए डूब गए। भारतीय शेयर बाजार में मंदी के कारण बिकवाली का जो माहौल बना हुआ है। उसमें म्युचुअल फंड और भारतीय वित्तीय संस्थान, जिनमें बैंक और भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हैं। बाजार को गिरने से रोकने के लिए, भारी मात्रा में शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं। इसके बाद भी शेयर बाजार में लगातार बिकवाली और मुनाफा वसूली के कारण बड़ी तेजी के साथ बाजार गोता लगा रहा है। यह कितने नीचे तक जाकर गोता लगायेगा यह कह पाना बड़ा मुश्किल है। भारत में पिछले कुछ वर्षों से भारतीय शेयर बाजार में कुछ कॉरपोरेट कंपनियों की सट्टेबाजी के कारण दिन दूनी रात चौगुनी गति से आंधी तूफान की तरह शेयर बाजार को बड़ी तेजी के साथ सट्टा बाजार में तब्दील हो गया था। भारतीय शेयर बाजार अपनी सभी सीमाओं को पार कर चुका है। पिछले कुछ वर्षों से भारतीय शेयर बाजार से भारी मुनाफा वसूली की गई है। बैंकों, सरकारी वित्तीय संस्थाओं द्वारा जितना भी निवेश किया गया। वह मुनाफा वसूली में पहले ही विदेश चला गया। रही सही कसर विदेशी निवेशक निकल रहे हैं, जो भारतीय शेयर बाजार से निकालकर बाजार को ढहाने का काम कर रहे हैं। यदि एक सप्ताह इसी तरह की गिरावट और भारतीय शेयर बाजार को झेलनी पड़ी, तो बैंकों और सरकारी वित्तीय संस्थानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। डीमैट के जरिए जो भारतीय छोटे निवेशक शेयर बाजार से जुड़े थे, उन्हें भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में भारत में जो वित्तीय अफरा तफरी फैलेगी। वह अमेरिका में 2008 की मंदी से भी ज्यादा भयानक स्थिति भारत की होगी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। 2008 की आर्थिक मंदी के बाद सोने और कच्चे तेल के दाम अंतराष्ट्रीय नीतियों के कारण बड़ी तेजी के साथ बढे। अमेरिका अपनी दादा?गिरी के चलते आर्थिक मंदी से बाहर निकल आया। भारत के पास ऐसा कोई बैकअप उपलब्ध नहीं है। भारत सरकार के ऊपर विदेशी कर्ज 2014 की तुलना में 5 गुना बढ़ गया है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय संस्थाएं कर्ज लेकर भारी दबाव में घी पी रही हैं। शेयर बाजार के मुनाफे से बैंकों और कंपनियों की बैलेंस शीट भारी कमाई कर रही थी। यह सारी कमाई कागजी कमाई थी, जो शेयर बाजार से हो रही थी। अक्टूबर माह में ही भारतीय शेयर बाजार से 30 लाख करोड रुपए से ज्यादा का नुकसान ?निवेशकों को हो गया है। शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए म्युचुअल फंड और भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं ने इस बिकवाली के समय बाजार में भारी निवेश करके विदेशी निवेशकों को मुनाफा वसूली का मौका दिया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, यदि यही स्थिति 1 महीने भी भारतीय शेयर बाजार में बनी रही, तो भारत में आर्थिक कोहराम मचना तय है। इसका सबसे ज्यादा असर केंद्र सरकार पर भी पड़ेगा। अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार ने हमेशा जो सपने आम जनता को दिखाएं हैं। यदि आम जनता का वह सपना टूटेगा, तो सरकार को भारी परेशानी उठानी पड़ेगी। सरकार का अस्तित्व बना रहेगा या नहीं, यह कहना भी बड़ा मुश्किल है। वर्तमान में केंद्र सरकार बैसाखियों पर टिकी हुई है। जब मुसीबत आती है तो सबसे पहले बैसाखी ही साथ छोड़ती है। 1992 के हर्षद मेहता के घोटाले में जो ?स्थिति भारतीय शेयर बाजार की हुई थी, वर्तमान की स्थिति में वह ऊंट के मुंह में जीरे के समान थी। वर्तमान ?स्थिति में भारत का सारा पैसा भारत से ?निकलकर ?विदेशों में पहुंच गया है। जो भारत में आना मु?श्किल है। सपनों में हम जो सोच रहे थे, वह सपना टूटने वाला है। नींद और सपना जब भू टूटता है, तभी वास्त?विकता का अहसास होता है। वही समय आ गया है।

विज्ञान लेखन से नवाचार को बढ़ावा मिलेगी

विज्ञान लेख से नवाचार को बढ़ावा मिलेगी क्योंकि विज्ञान लेखन उनके लिए एक नया और उत्साह देने वाला होता है जब वह पत्रिका में अपना लेख छपा पाता है तो उसमें उत्साह आ जाता है औ- वैज्ञानिक सोच विकसित होता है और पुनः विज्ञान लेखन में जुड़ जाता है वैज्ञानिक सोच में नवाचार हेतु विज्ञान संचार आज की आवश्यकता है जो विज्ञान से संबंधित विषयों के बारे में तकनीकी जानकारी को सार्वजनिक उपभोग के लिए समझने योग्य विज्ञान लेख, शोध पत्र और प्रश्न मंच को वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और आम जनों में वितरित करने की प्रक्रिया है। यह वैज्ञानिकों और आम जनता के बीच की खाई को पाटने से संबंधित क्षेत्र है, और संचार का एक बहुआयामी रूप है जो विज्ञान के कठिन विषयों यथा भौतिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, पर्यावरण विज्ञान और अधिक जैसे वैज्ञानिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है।इसलिए विज्ञान पत्रिका को यह देखना चाहिए क़ोई गलत न्यूज़ ना जा पाए इसमें व्याकरण का उतना महत्व ना भी हो तो क़ोई बात नहीं है लेकिन विज्ञान का समाचार फोर्नुला, टेबल या अन्य सामग्री रोचक बनाने में गलत ना हो और भ्रम न फैले जैसे भूत, प्रेत, जादू टोना दूसरे गह में एलियन आदि जो प्रायोगिक रूप से सिद्ध ही नहीं हुआ वो किस लॉजिक से दिया जा रहा है विज्ञान पत्रिका का उद्देश्य सुपरहिट नहीं, सुपरफिट जो वैज्ञानिक सिद्धांत के साथ साथ प्रयोगो पर भी आधारित हो वैज्ञानिक का परिचय भी आवश्यक होता है ताकि वैज्ञानिक ने कैसे खोज की आधार क्या था उसमें कुछ ऐसे भी लेख हो जो ख़ासकर शोध पर भी आधारित हो जो युवाओ के करियर पर भी सही दिशा दिखाती हो जो उस फील्ड के एक्सपर्ट ही लिखें तो ज्यादा अच्छा हो हिंदी पत्रिका तो काफी निकल रही है लेकिन क़ोई अच्छा भी लिखता हो तो संपादक से सम्बन्ध ठीक नहीं रहता तो उसे छापना तो दूर पढ़ना भी पसन्द नहीं करते हैं पत्रिका में विज्ञान के हर फील्ड से कुछ ना कुछ सामग्री अवश्य हो और वेद विज्ञान भी जरुरी है जो आपके संस्कार को अच्छा बनाती है अब आज की तारीख में क़ोई रूचि नहीं ले रहा है बहुत सी पत्रिका बन्द या सिमित मात्रा में प्रकाशित कर रही है जो दुर्भाग्यपूर्ण है ऐसे में वैज्ञानिक पत्रिका निरंतर वैज्ञानिक लेखों और उससे सम्बंधित समाचार क्विज आदि का सफल प्रकाशन कर विज्ञान का हिंदी में प्रचार प्रसार कर रही है अभी हाल ही में 56(3) जुलाई सितम्बर 24 का एक बेहतरीन अंक प्रकाशित की है जो परिषद के लिए अति उत्तम और उसके ऑब्जेक्टिव को हासिल करने में सफल प्रयास कर रही है लेख जितना अच्छा संपादन होता उतना ही पाठकों को विज्ञान में रूचि पैदा होती है और जब कोई गुणवत्ता पूर्ण लेख अपनी पत्रिका में छापता है तो क़ोई अपने को बहुत बड़ा विज्ञान लेखक मानते हुए लेख को निकाले लाने पर क्रोधी हो जाता है लेकिन अपने लेख के बारे में नहीं देखता है विज्ञान लेखन स्वतंत्र है और विज्ञान की जानकारी प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है ऐसे में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद मुंबई के द्वारा वैज्ञानिक पत्रिका बिना किसी भेदभाव के अच्छे विज्ञान के लेख प्रकाशित करती है जिसके संपादक जाने माने विज्ञान संचारक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं जो पत्रिका को गुणवत्ता पूर्ण बना रहे हैं बधाई के पात्र हैं।वैज्ञानिक के वर्तमान मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र जो जागृति समिति, अनुशक्तिनगर के उपाध्यक्ष है निरंतर प्रयासरत है जो निश्चित रूप से हिंदी में विज्ञान संचार का अमूल्य कार्य कर रहें हैं वैज्ञानिक' द्वारा पाठकों में हिन्दी में वैज्ञानिक जागरूकता पैदा की जाती है जिसमें विज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों को समझाया जाता है ताकि लेख के स्तर पर पाठक अपने ज्ञान व क्षमता में वृद्धि कर सके इस , संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, केके वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, बी।एन। मिश्र,अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बधाई के पात्र हैं। अतः हिंदी में विज्ञान का संचार आज की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए सभी हिंदी विज्ञान की पत्रिका के अधिकारी बधाई के पात्र है जो अंधेरा में अंधविश्वास को दूर कर विज्ञान के सिद्धांत पर आधारित कार्यों का सही विवरण व शोध लेख के माध्यम से प्रदान करते हैं।

वैज्ञानिक संचार में स्नातक डिग्री और मास्टर डिग्री व्यक्तियों को विज्ञान पत्रकारिता, पर्यावरण संचार, सार्वजनिक स्वास्थ्य, विज्ञान नीति और वैज्ञानिक अनुसंधान प्रकाशन प्रबंधन सहित अन्य क्षेत्रों में करियर के लिए तैयार करती है।विज्ञान संचार पेशेवर विज्ञान और संबंधित विषयों के बारे में सम्मोहक और जानकारीपूर्ण सामग्री तैयार करने के लिए रणनीतिक संचार और कहानी कहने के सिद्धांतों के साथ-साथ जटिल वैज्ञानिक विषयों की अपनी समझ का लाभ उठाते हैं।आज नवाचार हेतु विज्ञान और उद्योग ज्ञान और व्यावहारिक संचार कौशल का यह संयोजन विज्ञान प्रसारण , जनसंपर्क विशेषज्ञों, पर्यावरण वक्ताओं और तकनीकी लेखकों को वैज्ञानिक अनुसंधान और खोजों के बारे में जनता की समझ को आगे बढ़ाने को प्रोत्साहित करता है। भारत का तकनीकी परिदृश्य पारंपरिक रूप से सॉफ्टवेयर और उपभोक्ता इंटरनेट पर केंद्रित रहा है। हालाँकि जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य सेवा जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान की बढ़ती आवश्यकता ने उसे 'डीप टेक' की ओर आगे बढ़ने के लिये प्रेरित किया है। ये अत्याधुनिक स्टार्ट-अप अभूतपूर्व समाधान के सृजन के लिये वैज्ञानिक खोज और इंजीनियरिंग नवाचार का लाभ उठा रहे हैं। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

बेफिक्र रहिये ! न कोई कटेगा और न कोई बटेगा

आखिर होसबोले भी वो ही बोले जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कई महीनों से लगातार बोलते आ रहे हैं। दोनों की बोली और शब्दों का स्वरूप एक ही है। दोनों देश के बहुसंख्यकों को भयभीत कर रहे हैं कि यदि बँटोगे तो कटोगे। दोनों के निशाने पर देश के वे अल्पसंख्यक हैं जिन्हें आरएसएस आजादी के 77 साल बाद भी भारत का नागरिक नहीं मानता। आरएसएस और महंत योगी आदित्यनाथ के बोल एक संप्रभु ,विविधवर्णी देश कि जड़ों में मठा डाल रहे हैं।

मै उन लोगों में से नहीं हूँ जो आरएसएस को आतांकवादी संगठन मानते हैं। मै आरएसएस को राष्ट्रद्रोह संगठन भी नहीं कहता ,लेकिन मेरे मानने और कहने से कुछ नहीं होता क्योंकि आरएसएस जो है वो खुद प्रमाणित कर रहा है ,और तब कर रहा है जब इस विशिष्ट देश ने आरएसएस को 99 साल तक अपनी कोख में पाला पोसा है। ये संघ का शताब्दी वर्ष है।देश ने कभी नहीं कहा कि आरएसएस को भारत में नहीं होना चाहिए। लेकिन आरएसएस है जो न सिर्फ खुद बल्कि अपनी दत्तक संतानों से भी यही कहला रही है कि इस देश को कांग्रेस विहीन होना चाहिए।

दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया , उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.। दत्तात्रेय होसबाले अभी आरएसएस के सरकार्यवाह हैं उन्हें सरसंघ चालक बनने से पहले वो सब करना और कहना पडेगा जो न सिर्फ अनिवार्य है बल्कि अपरिहार्य भी है।

दुर्भाग्य की बात ये है कि संघ और संघ का दत्तक पुत्र भाजपा एक विचार है ,ऐसा विचार जो न सामयिक है और न आवश्यक। संघ और भाजपा का व्यवहार दुनिया में रूढ़ियों से घिरे तालिबानियों से बहुत कुछ मेल खाता है। संघ देश कि विविधता में यकीन करता ही नहीं है ,संघ हिन्दुओं कि श्रेष्ठता में न सिर्फ यकीन करता है बल्कि उसे बहुसंख्यक हिन्दुओं के मन-मस्तिष्क में अंगद के पैर की तरह जमा देना चाहता है । दुर्भाग ये कि संघ को लगभग एक सदी में भी इस योजना में कामयाबी नहीं मिली। मुझे लगता है कि इस अभियान को साकार करने के लिए संघ को सात जन्म तो लेना ही पड़ेंगे।

होसबाले 2021 से सरकार्यवाह के रूप में कार्यरत हैं, वे 2024 से 2027 तक अपने इस पद पर रहने वाले हैं दत्तात्रेय होसबाले और योगी आदित्यनाथ में और कोई समानता हो या न हो लेकिन एक समानता ये है कि ये दोनों यदुवंशी हैं। दोनों अविवाहित हैं और दोनों बाल्य-काल से एक ख़ास तरह की दीक्षा से गुजरे हैं जो कोसों तक भारत की राजनीति से मेल नहीं खाती। होसबोले 56 साल से संघ के साथ हैं और आजीवन रहने वाले हैं। उनका एकमेव लक्ष्य वही है जो 1925 में श्रीमंत केशव वलीराम हेडगवार साहब ने तय किया था। उनका लक्ष्य तो सौ साल में भी पूरा नहीं हुआ लेकिन इस देश को आजाद करने का जो लक्ष्य महात्मा गाँधी ने 81 साल पहले तय किया था वो न सिर्फ फलीभूत हो चुका है बल्कि पल्ल्वित -पुष्पित भी हो रहा है।

जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि मै संघ का और समस्त संघमित्रों का बहुत सम्मान करता हूँ। सम्मान इसलिए कि वे बहुत त्यागी होते है। सादगी पसंद होते हैं। उन्होंने सादगी हेडगेवार से नहीं बल्कि शायद महात्मा गाँधी से सीखी है। देश और दुनिया ने गांधी की सादगी को तो अंगीकार कर लिया किन्तु हेडगेवार साहब के हिन्दू राष्ट्र को स्वीकार नहीं किया। यदि किया होता तो ये देश 1947 में ही हिन्दू राष्ट्र बन जाता। हिन्दू राष्ट्र बनकर नेपाल ने देख लिया है । इस्लामिक राष्ट्र बनकर पाकिस्तान ने भी देख लिया है। इन्हें क्या हासिल हुआ ये बताना जरूरी नहीं है। चिंता की बात ये है कि संघ तमाम हकीकत जानते हुए भी हार मानने के लिए तैयार नहीं है।

हमारे बुंदेलखंड में होंस को उत्साह या गर्व कहते हैं और होंस से बोलने वालों को गर्वीला मना जाता है किन्तु दत्तात्रय जी जो बोल रहे हैं उसमें गर्वोक्ति बिलकुल नहीं है केवल दम्भ है दम्भ। इस दम्भ से देश कि गंगा-जमुनी संस्कृति तबाह हो रही है। संघ और सभी संघमित्र गंगा-जमुनी संस्कृति में यकीन करते ही नहीं हैं। उन्हें लगता है कि संस्कृति मुगलों कि देन है और इसका वसुधैव कुटुंबकम से कोई मेल नहीं है ,कोई बराबरी नहीं है। जबकि हकीकत कुछ और है। इस हकीकत को न संघ समझना चाहता है और न हमारी भाजपा। समझे तो आखिर कैसे समझे ? उसे तो देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना है।

देश हिन्दू राष्ट्र बने तो मुझे भी क्या आपत्ति हो सकती है लेकिन हमारा तजुर्बा बता रहा है कि अब बहुत देर हो चुकी है। देश जो राष्ट्र बन चुका है उसे अब बिगाड़ा नहीं जा सकता। नया देश बनाने के लिए बहुत लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ती है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में देश कि जनता ने ये लड़ाई लड़ी है ,लड़ी ही नहीं उसे जीता भी है। इस जीत में संघ का कितना योगदान है ये दुनिया जानती है और संघ भी। अब लगता है कि संघ 1947 से पहले कि गयी अपनी भूल सुधार करने कि कोशिश करना चाहता है । देश को एक बार फिर से नया नाम देना चाहता है। और इसी के लिए बँटोगे तो कटोगे का नारा दिया गया है। महात्मा गाँधी ने देश को करो या मरो का नारा दिया था और होसबोले देश को बँटोगे तो कटोगे का नारा दे रहे हैं।

आपको याद रखना होगा कि महात्मा गाँधी भी राम भक्त थे और संघमित्र दत्तरी होसबोले भी राम भक्त है। पूरा संघ रामभक्त है। पूरी भाजपा रामभक्त है लेकिन पूरा देश रामभक्त नहीं है । राम का सम्मान सब करते हैं। उन्हें देवता भी मानते हैं । मुसलमान भी उन्हें इमामे-हिन्द कहते हैं। यहां राम को मानने वाले भी हैं और न मानने वाले भी ,लेकिन सब हैं भारतीय। और ऐसे भारतीय जिनका जन्म दत्तात्रय होसबोले से पहले हुआ था। उन्हें भारतीयता का प्रमाणपत्र न संघ से चाहिए और न होसबोले से। उनका आधारकार्ड ही उनके भारतीय होने का प्रमाण है। और संयोग से ये प्रमाणपत्र संघ कार्यालय से नहीं भारत सरकार के कार्यालय से जारी होता है।

मुझे हैरानी तो ये है कि डॉ मोहन भागवत हों या माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी इस हकीकत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं ,उलटे बार-बार इस हकीकत को ठुकराना चाहते हैं। इन सभी महनुभवों ने देश कि जनता के एक बड़े वर्ग के मन में भय पैदाकरने कि कोशिश की ,लेकिन जब ये कोशिश भी असरकारी साबित नहीं हुई तो सबका साथ,सबका विकास से शुरू होकर अब बँटोगे तो कटोगे तक आ पहुंचे हैं। संघ और भाजपा जबरन हिन्दुओं के ठेकेदार बन गए है। जब संघ और भाजपा नहीं थी तब भी इस देश में हिन्दू थे,हिंदुत्व था।

हमारे संघमित्र शायद नहीं जानते कि भारत पर आर्यों ने ,फारसियों ने ,अलेक्जेंडर ने सेल्यूकस ने ,यवनों ने ,हूणों ने, अरबों ने मुग़लों ने और अंग्रेजों ने हमला किया,शासन किया लेकिन हिन्दू तब भी थे और आज भी हैं। मै संघमित्रों को यकीन दिलाना चाहता हूँ कि भारत में हिन्दू कल भी रहेंगे और बहुसंख्यक बनकर ही रहेंगे ,वे न बंटेंगे और न कोई उन्हें काट पायेगा। ये कोशिश सियासत जरूर करती है ,लेकिन सियासत भी हर बार कामयाब नहीं होती । कभी-कभी संघ कि विचारधार को कामयाबी मिलती है । जनता भी संघमित्रों को मौक़ा देती है ,लेकिन जब हकीकत समझती है तो अपना फैसला बदल भी लेती है। ये लोकतंत्र की विशेषता है । संघ मित्र आज सत्ता में हैं ,कल शायद नहीं होंगे और परसों मुमकिन है कि उन्हें फिर सत्ता में आने का मौक़ा मिले। लेकिन ये तभी मुमकिन है जब कि संघमित्र भारत को जबरदस्ती हिन्दू राष्ट्र ; बनाने कि जिद और कोशिश छोड़ दे।

मुझे संघ कि कोशिशों पर भी यकीन है और जनता पर भी। जनता अंततः जनार्दन है। जनता भी नेताओं कि तरह घाट-घाट का पानी पीती है । जनता ने बीते 77 साल में कांग्रेसियों को भी देखा,समाजवादियों को भी देखा,वामपंथियों को भी देखा ,संघियों को भी देख लिया है। जनता जिस दिन चाहेगी कि भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना है उस दिन जनता बना लेगी। जनता को तब न संघ की जरूरत होगी न भाजपा की और न कांग्रेस की। संघ यदि सांस्कृतिक संघठन है तो यही काम ईमानदारी से करे। राजनीति करना छोड़ दे। भाजपा का प्रचार करना छोड़ दे। उसके लिए पसीना बहाना त्याग दे। संघ क्या करे या न करे ये तय करना संघ का अपना काम है।

हमारा काम तो मुर्गे की तरह बांग देने का है। हम भले ही रोज हलाल होते रहें किन्तु बांग देना बंद करने वाले नहीं है। बांग मुर्गा अकेला नहीं देता । मुल्ला भी देता है,पंडित भी देता है ,शंकराचार्य जी देते हैं। पॉप और पादरी भी करते है। सेवादार भी देते है। जागरण का दूसरा नाम ही बांग देना है। बांग सुनकर जिन्हें जागना होता है वो जाग जाते हैं और जो जंबोझकर अनसुनी करते हैं उनका भगवान ही मालिक होता है। मुर्गे की बांग सभी के लिए होती है। उसका हिन्दू,मुसलमान,सिख,ईसाई से कोई लेना देना नहीं है । जो जगे उसका भी भला और जो न जगे उसका भी भला। मुर्गा सूफी होता है । धर्म निरपेक्ष होता है । उसे जो चाहे काटकर खा सकता है लेकिन मुर्गा कल भी बांग दे रहा था और आज भी अलार्म के जमाने में उसने बांग देना बंद नहीं किया है ,हमारी तरह।(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

दरकने लगी हैं रिश्तों की दीवारें

वर्तमान समाज में खूनी रिश्तों में इतनी नफरत बढ रही है कि खूनी रिश्ते ही एक दूसरे का खून बहा रहे है रिश्तों में आ रही कडवाहट एक त्रासदी बन रही है आज जर ,जोरू ,जमीन के कारण रिश्तों का कत्लेआम हो रहा है ,जायदाद के लिए बेटे माँ-बाप को मौत के घाट उतार रहे हैं। सहनशीलता न होने के कारण आज ऐसी वारदातें हो रही हैं कि आत्मा सिहर उठती है भाई-भाई एक दूसरे की हत्या कर रहे हैं। आज रिश्तों की परिभाषा बदलती जा रही है रिश्तों में पाश्विकता आ गई है आज भेड बकरियों की तरह एक दूसरे का खून बहाया जा रहा है यह बहुत ही लज्जाजनक है कि बेटे मां-बाप के खून के प्यासे हो रहे है।रिश्तों की डोर ढीली पडती जा रही है आज का इन्सान माया के कारण इतना अंधा हो गया है कि रिश्तों की अहमियत भूलता जा रहा है अपनों के खून से ही अपने हाथ रंग रहा है।देश में ऐसी वारदातें हर रोज घटित हो रही है। प्रतिदिन समाचार पत्रों में ऐसी घटनाएं सुर्खियां बनती है जिन मां-बाप ने सैकडों कष्ट झेलकर अपने बच्चों पर आंच तक न आने दी वही आज उनके दुश्मन बन गये हैं,अपना पेट काटकर जिन्हे पाला आज यमराज बन गये है बेरहमी से काट रहे हैं प्रलय की आहट है इस पर मंथन करना होगा इसके कारण ढूंढने होगें, देश में ऐसी बारदातों के आंकडों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। आज से कुछ दशक पहले ऐसी स्थिति नहीं थी ,इतिहास गवाह है कि खुन के रिश्ते इतने मजबूत होते थे कि भाई -बहन एक दूसरे की खातिर जान तक की बाजी लगा देते थे मगर आज इतिहास बदलता नजर आ रहा है ,मानव अपनी सभ्यता और संस्कृति को भूलकर राक्षसों जैसा आचरण कर रहा है।आज संपति के लिए जो कुछ हो रहा है बहुत ही त्रासद है। रिश्तों में सामजस्य स्थापित करना होगा ,ताकि आने वाली पीढियां नफरत की इस आग में झुलसने से बच सके और भाईचारा बना रहे और एक नये युग का सूत्रपात हो सके।यह समाज हित में है।रिश्तों की दीवारें दरकने लगी हैं इन दीवारों को बचाना होगा क्योंकि यदि दीवार का एक भी पत्थर निकल जाए तो दीवार कभी भी धराशायी हो सकती है। रिश्तों में बिखराव बेहद घातक है छोटे-छोटे स्वार्थो के लिए खूनी रिश्तों की बलि चढाई जा रही है। रिश्तों के रूप बदलते जा रहे है ,रिश्तों में छल -कपट घर करता जा रहा है। समाज का यह विकृत चेहरा बेहद भयानक है यदि समय रहते इस पर रोक न लगाई तो आने वाला कल निश्चित रूप से घातक सिद्व होगा।रिश्तों पर जमी नफरत की इस बर्फ को पिघलाना होगा। खूनी रिश्तों को अटूट बनाना होगा।एक उदारवादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।ताकि समाज में आ रहे इस तरह के संकंट से मुक्ति मिल सके।और खूनी रिश्तों में मिठास घुल सके। बढती महत्वकाक्षाएं भी रिश्तों के विघटन का कारक बन रही हैं।संपति के कारण आज न जाने कितने परिवार खत्म हो गये ,और कितने ही सलाखों के पीछे है। मानव धनलिप्सा की मृगतृष्णा में फंसता जा रहा है वह अपनी सोचने की शक्ति खो चुका है।

इस मृगमरीचिका का परिणाम क्या होगा इसके पीछे मानव वैसे ही भाग रहा है जैसे हिरन पानी के पीछे भागता है। आखिर समाज किस ओर जा रहा है यह बहुत ही चितंनीय है कि लोग समस्या का समाधान करने के बजाए हिसां का रास्ता अपनाकर जघन्य अपराधों को कर रहा है यह बहुत ही घातक है।जमीन के टुकडों के लिए खून बहाया जा रहा है।समाज के बुद्विजीवी लोगों पर इस पर मंथन करना होगा।इन वारदातों पर रोक लगानी होगी।समाज को मिलजुल कर इस पर संज्ञान लेना होगा। आज संवेदनाएं मृतप्राय हो चुकी हैं। खून के रिश्ते अर्थहीन होते जा रहे हैं। एक समय था कि रिश्तों में मिठास होती थी लेकिन आज खटास आती जा रही है। आज जमीन के एक छोटे से टुकडे के लिए हत्या की जा रही है। आज संपति के लिए जो कुछ हो रहा है बहुत ही त्रासद है। रिश्तों में सामजस्य स्थापित करना होगा ,ताकि आने वाली पीढियां नफरत की इस आग में झुलसने से बच सके और भाईचारा बना रहे और एक नये युग का सूत्रपात हो सके।यह समाज हित में है।(लेखक- नरेन्द्र भारती / ईएमएस)

स्वच्छ राजनीति के प्रेरक व्यक्तित्व थे जगदीश नारायण सिन्हा!

आज की स्वार्थ व अवसरवादी राजनीति से कोसो दूर कभी देश मे ऐसे नेता भी हुआ करते थे,जिनके लिए उनकी जनता ही प्राणवायु हुआ करती थी।अपने क्षेत्र, राज्य और देश के लिए चौबीसों घण्टे समर्पित रहकर ऐसे ही नेताओं के बलिदान व संघर्ष से भारत को आजादी मिल पाई।ऐसे ही प्रेरक नेताओं में से एक थे जगदीश नारायण सिन्हा जो शिक्षाविद होने के साथ साथ अविभाजित उत्तर प्रदेश में 3 बार विधायक व मंत्री भी रहे।उनकी राजनीतिक उर्वरा भूमि रुड़की में उनकी जाति कायस्थों की संख्या न के बराबर है फिर भी उनका सर्वमान्य नेता के रूप में उभरना उनकी जनहित कार्यशैली का प्रमाण था।सन 1917 में जन्मे जगदीश नारायण सिन्हा ने अपने कैरियर की शुरुआत डीएवी इंटर कालेज रुड़की में एक अध्यापक के रूप में की और फिर भगवानपुर के आरएनआई इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य रहे।उन्होंने सहकारिता क्षेत्र में राजनीतिक कदम बढ़ाते हुए रुड़की सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष व फिर अध्यक्ष तक का सफ़र तय किया और फिर जल्दी ही नगर पालिका रुड़की के अध्यक्ष बन गए।रुड़की के सिविल अस्पताल की दशा सुधारने व उसे लोकोपयोगी बनाने में जगदीश नारायण सिन्हा की महती भूमिका रही है।देश को आजादी दिलाने के लिए उन्होंने गांधी जी के करो या मरो को आत्मसात करते हुए सबसे पहले 9 अगस्त सन 1942 को प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्ति ली और फिर आजादी के आंदोलन में कूद पड़े।उनकी आजादी के आंदोलन में सपत्नीक सक्रियता से परेशान अंग्रेजों ने अप्रैल सन 1943 में उन्हें व उनकी पत्नी सत्यवती सिन्हा को फरार घोषित कर दिया और फिर उसी माह गिरफ्तार कर उन्हें मेरठ जेल में 2 वर्ष 3 माह तक नज़र बंद रखा गया।उनके बड़े भाई कैलाश प्रकाश ने तो मेरठ में 10 अगस्त सन 1942 से आसपास के 6 जिलों में आंदोलन की अलख जगाई थी।जगदीश नारायण सिन्हा आचार्य विनोबा भावे के अनुयायी रहे और उनके भू आंदोलन से प्रभावित होकर न सिर्फ भूमि दान की बल्कि कई गांव को भी जीवंत किया।जगदीश नारायण सिन्हा को हमसे बिछड़े हुए आधा सदी से ज़्यादा का समय हो चुका है।लेकिन फिर भी रुड़की के लोग आज भी यही कहते है,कि नेता हो तो जगदीश नारायण सिन्हा जैसा।27 अप्रैल 1976 में उनके निधन के बाद से रुड़की क्षेत्र में ऐसा कोई सर्वमान्य नेता नही बन पाया जो जगदीश नारायण सिन्हा के उत्तराधिकारी कहलाने लायक हो।जगदीश नारायण सिन्हा के नाम पर चल रहे जिला उपचिकित्सालय परिसर में उनकी मूर्ति की स्थापना उनके परिजनों द्वारा किया जाना बेहद सुखद व गौरवपूर्ण है।जिसका अनावरण आज उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ धनसिंह रावत स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार की उपस्थिति में कर रहे है।हम कह सकते है जब तक सूरज चांद रहेगा ,जगदीश नारायण का नाम रहेगा। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के भांजे व स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के मुख्य प्रवक्ता है)

आज का इतिहास 28 अक्टूबर

1492 नई दुनिया की खोज में निकले क्रिस्टोफर कोलम्बस ने क्यूबा की खोज की थी।

1867 सिस्टर निवेदिता का जन्म आयरलैंड में हुआ।

1886 स्वतंत्रता की देवी की मूर्ति न्यूयार्क बंदरगाह को समर्पित की गयी।

1890 जर्मन ईस्ट अफ्रीका कंपनी ने अपने अधिकार जर्मनी को दे दिए।

1962 सोवियत प्रधानमंत्री निकिता क्रश्चेव ने क्यूबा से प्रक्षेपास्त्र हटाने का आदेश दिया।

1971 यूरोपीय साझा बाजार में इंग्लैंड के शामिल होने संबंधी प्रस्ताव ब्रिटिश संसद ने पारित किया।

1974 जार्डन सहित अन्य अरब देशों ने स्वतंत्र फिलीस्तीनी राष्ट्र की स्थापना का आह्वान किया।

1975 मिस्त्र ने अमरीका से फलीस्तीन का राजनयिक बहिष्कार समाप्त करने का आग्रह किया।

1977 अरब क्षेत्रों में बस्तियां बसाने की निंदा राष्ट्र संघ महासभा ने की।

1988 चेकोस्लोवाकियाई आजादी की 70वीं वर्षगांठ पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों में संघर्ष हुआ।

1990 सोवियत संघ की कुवैत से इराकी फौजों की वापसी की कोशिश नाकाम हो गयी।

शब्द पहेली - 8171

बाएँ से दाएँ

1.सिंह,शेर-3
6.कृषि पैदावार-3
7.कमल सरोवर-5
8.बारीक-3
10.जरा,थोड़ा-2
12.वाराणसी-4
15.टूटना,तड़कना-4
17.शराब,मदिरा-2
19.बुद्धि,मति-3
21.सेवा,,चाकरी,देखभाल-5
23.कर्म,भाग्य-3
24.यज्ञ,होम-3

ऊपर से नीचे

2.आक्रमणकारी-5
3.समा,माहौल-3
4.आर्द्रता,नमी-3
5.चट्टान (अंग्रेजी-2)
6.अंतर,फर्क-3
9.षष्ठीपूर्ति,60 वर्ष पूरे होना-3
11.नशा,खुमार-2
13.नरम,मुलायम-3
14.एक जैसा,समान-2
16.सार-संभाल-2,3
18.अनाथ,बेसहारा-3
19.खालिस,शुद्ध-3
20.फालिज,पक्षाघात-3
22.क्रोध,खीज,गुस्सा-2

शब्द पहेली -8170 का हल

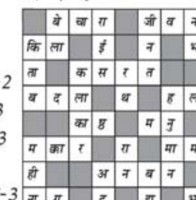

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

गंभीर ने वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र रद्द किया

पुणे (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम की हार के बाद सख्त रुख अपनाने हुए वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र रद्द कर दिया है। इस प्रशिक्षण सत्र में विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के अलावा जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज भी शामिल थे।

परंपरागत रूप से खिलाड़ियों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र को वैकल्पिक रखा जाता है। आम तौर पर शीर्ष बल्लेबाज और तेज गेंदबाज अक्सर उस सत्र को छोड़ देते थे और केवल हल्के प्रशिक्षण तक ही सीमित रखते थे। हालांकि, अब ऐसा नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन ने हर एक खिलाड़ी से अभ्यास सत्र छोड़ने का विकल्प छीन लिया है। टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों से 30 और 31 अक्टूबर को दो दिन अभ्यास के लिए उपस्थित रहने को कहा है। यह अनिवार्य है और कोई भी इसे छोड़ नहीं सकता।

भारतीय टीम पहले दो टेस्ट हार गयी है। ऐसे में टीम प्रबंधन तीसरे टेस्ट के लिए अपनी ओर से कोई कसर नहीं रखना चाहता है। ऐसे में टीम के लिए मुंबई में होने वाला तीसरा टेस्ट जीतना जरूरी है। इसलिए गंभीर और टीम प्रबंधन चाहता है कि हर खिलाड़ी सभी प्रशिक्षण सत्रों में भाग ले।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए अब भी है भारतीय टीम के पास अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी)। की हार मुश्किल होती जा रही है। भारतीय टीम के पास अभी कुल छह मैच हैं। इसमें से एक टेस्ट उसे अभी न्यूजीलैंड से खेलना है जबकि 5 मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी।

फाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम को अब काफी मेहनत करनी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले जो आंकड़े थे अब वो बदल गए हैं। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली दो लगातार हार के बाद अब अपने बचे हुए मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। साल 2012 के बाद से अपने घर पर पहली टेस्ट सीरीज हारने के बाद भी भारतीय टीम अब भी फाइनल में पहुंच सकती है।

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज का आखिरी मैच मुंबई में खेलेगी। भारत का यह घर पर यह मौजूदा डब्ल्यूटीसी सर्किल में आखिरी टेस्ट होगा। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलेगी। इस समय फाइनल की रेस में भारत के अलावा न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका शामिल है। टीम इंडिया को अगर अपने बल पर फाइनल में जगह बनानी है तो आगे के बचे सभी 6 मुकाबलों को जीतना होगा। अब टीम के लिए एक भी हार बाधाएं बढ़ाने का काम ही करेगी।

भारतीय टीम अगर अपने बाकी छह टेस्ट जीतने में सफल होती है तो 74.56 प्रतिशत के अंक प्रतिशत के साथ 170 अंक हासिल कर लेगी। इस अंक प्रतिशत को हासिल करने के लिए, भारतीय टीम को को न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी मैच जीतने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया को भी 5-0 से टेस्ट सीरीज में हराना होगा। भारत को फाइनल की रेस में बने रहने के लिए कम से कम दो जीत चाहिये इसके अलावा शेष बचे हुए चारों मुकाबलों को ड्रॉ करना होगा। ऐसा करने पर भारत की जीत का प्रतिशत 60 से ऊपर रहेगा। इसके अलावा उसे अन्य टीमों के परिणामों को भी देखना होगा।

वेस्टइंडीज ने तीसरा टी20, श्रीलंका ने सीरीज जीती

कोलंबो (ईएमएस)। वेस्टइंडीज ने वर्षा प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस नीति से श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंका ने पहले दो मैच जीते थे। ऐसे में उसने 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज की जीत में एविन लुईस की अहम भूमिका रही। लुइस ने 102 रनों की पारी खेली। लुईस ने छक्का लगातार 61 गेंद में अपना पांचवां शतक लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज ने 51 रन के स्कोर पर टखना मुड़ने के बाद भी खेलना जारी रखते हुए शतकीय पारी खेली।

श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे। इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा जिससे मैच को 23 ओवर का कर दिया गया। इस प्रकार वेस्टइंडीज को जीत के लिए 23 ओवरों में 195 रन का संशोधित लक्ष्य मिला जिसे टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से दोनों सलामी बल्लेबाजों पथुम निसांका ने 56 और अविष्का फर्नांडो ने 34 रन बनाये। इस प्रकार इन दोनो ने पहले विकेट के लिए 17 आवेर में 81 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। एक बार फिर जब खेल शुरू हुआ तो कुसाल मेंडिस ने नाबाद 56 रन बना दिये। वहीं निसांका ने 58 गेंद में अपना 15वां अर्धशतक पूरा किया। मेंडिस ने केवल 19 गेंद में अर्धशतक लगाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने शुरुआत में ही ब्रेंडन किंग 16 का विकेट खो दिया। लुईस और कप्तान शाई होप 22 ने दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़कर पारी को संभालने का प्रयास किया। होप के आउट होने के बाद लुईस और शेरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 50 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी।

मुंबई में भी भारतीय टीम की राह बेहद मुश्किल

पुणे (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को मेहमान टीम न्यूजीलैंड के हाथों पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम इंडिया 2-0 से पहले ही सीरीज हार गयी है और अब उसपर क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। अगर भारतीय टीम मुम्बई में होने वाले तीसरे टेस्ट में हारी तो उसके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फइनल में पहुंचने की राह भी कठिन हो जाएगीहै। टीम इंडिया अगर मुंबई में हार जाती है तो फिर न्यूजीलैंड 3-0 से सीरीज जीत लेगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी आजकल लय में नहीं है जिससे भी उसकी मुश्किलें बढ़ी हैं। कप्तान रोहित शर्मा पिछले चार टेस्ट मैचों की आठ पारियों में 8, 0, 2, 52, 23, 8, 6, 5 रन ही बना पाये हैं। वह न्यूजीलैंड के विरुद्ध सीरीज में दो मैचों में सिर्फ 62 रन बना पाए थे। तेज गेंदबाजों के अलावा स्पिनरों के सामने भी वह बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे। इसके अलावा उनका क्षेत्ररक्षण भी खराब रहा है।

विराट कोहली : पूर्व भारतीय कप्तान पिछले चार साल में सिर्फ दो शतक लगा पाए हैं और इसी से अंदाजा होता है कि वह अपने नाम के विपरीत प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पिछले चार साल में 31 मैच खेले हैं और वह 1795 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं लेकिन इस दौरान उनका औसत सिर्फ 34.51 का रहा है। इस सीरीज में भी वह चारों पारियों में पूरी तरह से विफल रहे हैं। जहां रोहित तेज गेंदबाजों के सामने परेशानी में हैं वहीं विराट स्पिनरों के सामने बेबस दिखे हैं। पुणे में दोनों पारियों को मिलाकर वह केवल 18 रन बना पाए।

रवींद्र और रविचंद्रन : भारतीय स्पिनर भी अबतक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। जहां एक ओर मिशेल सैंटनर ने दो पारियों में भारतीय बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। वहीं आर अश्विन और रवींद्र जडेजा उम्मीद के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर सके। ये दोनों बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी विरोधी टीम पर अंकुश नहीं लगा पाये। हली पारी में अश्विन ने तीन विकेट लिए पर जडेजा को कोई विकेट नहीं मिला। दूसरी पारी में अश्विन ने दो और जडेजा ने तीन विकेट लिए।

एक सीरीज हारने से रणनीति नहीं बदल सकते : रोहित

पुणे (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार को निराशाजनक बताया है पर कहा कि इससे कुछ निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते हैं न ही अपनी रणनीति बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए शांति से इस बारे में बात करनी होगी, किसी प्रकार का अलग तरीका अपनाना फायदेमंद नहीं रहेगा। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

रोहित ने कहा,'कुछ खिलाड़ियों से शांत माहौल में बातचीत करने की जरूरत है। उन्हें यह बताना जरूरी है कि वे कहां है और टीम उनसे क्या उम्मीद रखती है।' अब उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को वास्तविकता से अवगत कराना है पर इस दौरान वह कोई विवाद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा,'मुझे नहीं लगता कि आपको उन्हें एक-एक करके टीम रूम में बिठाने, उनकी पारियों को देखने और उन्हें यह बताने की ज़रूरत है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं।'

रोहित ने कहा, 'केवल इसलिए कि हम एक सीरीज हार गए हैं तो हमें अलग तरह से बात करने या अलग तरीके अपनाने की जरूरत है। हमें केवल उन हालातों से बाहर आने की जरुरतत है।' रोहित ने कहा कि उन्हें अपने खिलाड़ियों पर भरोसा है, जिन्होंने भारत को कई मैच जिताए हैं। भारतीय कप्तान ने कहा,'मुझे किसी की क्षमता पर कोई संदेह नहीं है। इस हार से सीख लेते हुए बल्लेबाजों को अपनी तय रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा। साथ ही अपने पर भरोसा रखना होगा पर मैं किसी प्रकार का गैरजरुरी दबाव नहीं बनाना चाहूंगा।'

वैश्विक रुख और कंपनी परिणाम से तय होगी शेयर बाजार की दिशा : विशेषज्ञ

- ईरान-इजराइल संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों का भी बाजार पर रहेगा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की गतिविधियों, वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा है कि मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में कुछ और गिरावट देखने को मिल सकती है। विदेशी कोषों की भारी निकासी और कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे अच्छे नहीं रहने की वजह से पिछले सप्ताह बाजार में बड़ी गिरावट आई थी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि अगले महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले निवेशकों के सतर्क रहने से निकट अवधि में बाजार में कमजोरी का रुख जारी रह सकता है। दिवाली के मौके पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे, लेकिन शाम को एक घंटे के लिए विशेष मुहूर्त कारोबार होगा। प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई एक नवंबर को दिवाली के अवसर पर एक घंटे का विशेष मुहूर्त कारोबार आयोजित करेंगे, जो नए संवत 2081 की शुरुआत का प्रतीक है। बाजार के ?विश्लेषकों ने कहा ?कि हमें उम्मीद है कि अल्पावधि में बाजार में गिरावट जारी रहेगी। इस रुख में बदलाव एफआईआई की बिकवाली की रफ्तार कम होने और अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों पर निर्भर करेगा। आगे चलकर एफआईआई का प्रवाह बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि अक्टूबर के वायदा एवं विकल्प निपटान की वजह से बाजार में उतार-चढ़ाव रहने की उम्मीद है। अभी दूसरी तिमाही के नतीजों का सत्र चल रहा है। ऐसे में आगामी तिमाही नतीजे बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर भू-राजनीतिक घटनाक्रम, विशेष रूप से ईरान-इजराइल संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों पर इसका असर बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले दुनियाभर के बाजार सतर्क और इंतजार करो का रुख अपना सकते हैं। महत्वपूर्ण आंकड़े जैसे अमेरिका के रोजगार के आंकड़े, सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, चीन का पीएमआई विनिर्माण आंकड़ा बाजार के लिए महत्वपूर्ण संकेतक होंगे। अमेरिका का मुख्य पीसीई मूल्य सूचकांक 31 अक्टूबर को जारी होगा, जिसके आधार पर अमेरिकी केंद्रीय बैंक महंगाई का आकलन करता है। इसके अलावा बैंक ऑफ जापान भी 31 अक्टूबर को अपने ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा करने वाला है। इस सप्ताह अदाणी पावर, बीएचईएल, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स और डाबर इंडिया अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक ?विश्लेषक ने कहा ?कि अक्टूबर की शुरुआत में शुरू हुई एफपीआई की बिकवाली का सिलसिला जारी है और अभी इस रुख के पलटने का कोई संकेत नहीं है। चीन द्वारा प्रोत्साहन उपायों की घोषणा के बाद एफपीआई की बिकवाली शुरू हुई है। इसके अलावा चीन के शेयरों का मूल्यांकन भी कम है। भारत में शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। एफपीआई की बिकवाली से बाजार धारणा प्रभावित हुई है और निफ्टी अपने शीर्ष स्तर से आठ प्रतिशत नीचे आ गया है। कमजोर वैश्विक संकेतों, दूसरी तिमाही के उम्मीद से कमजोर नतीजों की वजह से कुल मिलाकर निफ्टी 26,277 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर से आठ प्रतिशत नीचे आ गया है। अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनावों की वजह से अभी बाजार में कमजोरी का यह रुख जारी रहेगा।

चीन में बगैर कार्ड और मोबाइल के हथेली दिखाकर होने लगा भुगतान

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में भुगतान प्रक्रिया और सहज हो गई है। यदि मोबाइल और कार्ड घर में रह गया तो भी आप भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए केवल अपनी हथेली का उपयोग करना होगा। इस तरह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होरहा है।ये वीडियो चीन के झुझौउ शहर का बताया जारहा है। पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर राणा हमजा सैफ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम वीडियो में दिख रहा है कि चीन ने कैसे हथेली लगाने भर से पेमेंट का सिस्टम डेवलप कर लिया है। इस क्लिप को झुझौउ में फिल्माया गया है। इसमें दिखता है कि सैफ और उसके दोस्त किराने की दुकान से खरीदारी करने के बाद अपनी हथेलियों का इस्तेमाल करते हुए पेमेंट कर रहे हैं। इस दौरान वे सभी हैरान रह जाते हैं और कहते हैं कि चीन तो 2050 में पहुंच गया है।

वीडियो क्रिएटर्स किराने की दुकान के अंदर जाते हैं। वहां से कुछ सामान लेते हैं और उनमें से एक शख्स पेमेंट के लिए अपनेहथेली का इस्तेमाल करता है। डिवाइस पर हथेलारखते ही पेमेंट हो जाता है जिसमें ओके लिखकर भी आता है। साथ ही, दुकानदारइशारे में बोलता है कि पैसे मिल चुके हैं। ये देखकर सभी हैरान रह जाते हैं। एक और व्यक्ति इसी डिवाइस के जरिए पेमेंट करता है और उसके भी हथेली रखते ही भुगतान हो जाता है। यह देखकर क्रिएटर्स बड़े रोमांचिक होते हैं और चीन की इस मॉडर्न टेक्नोलॉजी की जमकर तारीफ करते हैं। वीडियो में दिख रहा है कि रात का वक्त है। सैफ बताते हैं कि रात के 2बज रहे हैं औरवे लोगइस वक्त चीन के झुझौउ शहर में हैं। सैफ के साथ4-5और लोग नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि वे यहां पर हथेली के जरिए होने वाला पेमेंट सिस्टम देखने आए हैं। अगर आप अपना मोबाइल भूल हो गए हों तो भी पेमेंट किया जा सकता है। हालांकि, उसके लिए आपको अपनी हथेली का प्रिंट पहले से रजिस्टर्ड कराना पड़ता है। यह सिस्टम आपको पूरे चीन में मिल जाएगा।

रिजर्व बैंक के गवर्नर दास को शीर्ष केंद्रीय बैंकर का पुरस्कार मिला

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिका की पत्रिका ग्लोबल फाइनेंस ने शीर्ष केंद्रीय बैंकर का दर्जा दिया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब उन्हें विश्व स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर का दर्जा दिया गया है। आरबीआई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा ?कि गवर्नर शक्तिकांत दास को लगातार दूसरे साल सेंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड 2024 में 'ए प्लस' का पुरस्कार दिया गया है।

इजराइल हमले के बाद ईरान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मांग रहा मदद

-दावाः रुस को थी हमले की जानकारी, ईरान को कर दिया था खबरदार

तेहरान,(ईएमएस)। इजराइल ने 26 अक्टूबर को ईरान पर एयर स्ट्राइक की, जिसमें करीब ईरान के महत्वपूर्ण स्थानों को निशाना बनाया गया। इस हमले में इजराइल ले 100 विमानों का इस्तेमाल किया। हमले में ईरानी एयर डिफेंस फोर्स के चार सैनिकों की मौत होने की खबर है। ईरान का कहना है कि इस हमले से उन्हें ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट में ईरान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हवाई हमले के पहले रूस ने उन्हें इस हमले की जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद ईरान को नुकसान उठाना पड़ा।

ईरान ने इजराइल के हमलों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की मांग की है। इजराइल के एक अधिकारी ने कहा कि ईरान को यह समझना चाहिए कि इस तरह के हमलों का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास ईरान के खिलाफ कई विकल्प हैं और हम किसी भी हमले का सामना करने के लिए तैयार हैं। ईरान के हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह के बारे में भी रिपोर्ट्स आई हैं कि उनकी मौत इजराइल के हमले में हुई थी, जिससे ईरान की प्रतिक्रिया और भी तेज हो गई है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में तनाव को बढ़ा दिया है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंतित है, क्योंकि यह क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। सभी की नजर अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या ईरान किसी प्रकार की प्रतिक्रिया देगा या फिर स्थिति को नियंत्रण में रखने का प्रयास करेगा।

मीडिया के मुताबिक इजराइल ने हमले के दौरान तेहरान प्रांत के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों को भी निशाना बनाया है। धमाकों की आवाजें सुनाई देने के बाद ईरान ने कहा कि यह उनके एयर डिफेंस सिस्टम के सक्रिय होने के कारण था। इस बीच इजराइल के हमले की निंदा लेबनान और हमास समेत ईरान के अन्य सहयोगियों ने भी की है। ईरानी सेना ने एक बयान में कहा कि इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार उनके पास है, लेकिन बयान में यह संकेत भी दिए गए हैं कि वे तनाव को और बढ़ने से रोकने के प्रयास कर रहा है। ईरान के सैन्य अधिकारियों ने कहा कि इजराइली हमलों में स्टैंड-ऑफ मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया, जो इराकी हवाई क्षेत्र से लॉन्च की गई थीं। ईरानी सेना ने यह भी बताया कि उनके कुछ रडार स्थलों को नुकसान हुआ है, लेकिन मरम्मत का काम पहले से जारी था।

इजराइली हमले के बाद ईरान ने कुछ घंटे बाद ही जवाबी हमला करने की चेतावनी दी। ईरानी सेना ने कहा कि वे इस संबंध में गंभीरता से विचार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ईरान ने बताया कि इजरायल के हवाई हमले में केवल सीमित क्षति हुई है, जबकि इजराइल की सेना ने कई बार ईरान के मिसाइल कारखानों और अन्य स्थलों पर हमले किए। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि हमलों में चार सैनिक मारे गए हैं लेकिन नुकसान सीमित रहा है। ईरान ने चेतावनी दी कि वह अपनी रक्षा खुद करेगा, जबकि इजराइल ने कहा कि अगर ईरान ने जवाबी कार्रवाई की, तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए

- त्योहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक बाजारों में तेजी और देश में त्योहारी मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव मजबूत बंद हुए। इस तेजी के कारण सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार देखने को मिला। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पामतेल (सीपीओ) का भाव 1,200 डॉलर प्रति टन हो गया जो उसके पिछले सप्ताह 1,135-1,140 डॉलर प्रति टन था। इसी तरह सोयाबीन तेल का दाम 1,140-1,045 डॉलर प्रति टन से बढ़कर समीक्षाधीन सप्ताह में 1,242-1,247 डॉलर प्रति टन हो गया। इसके अलावा त्योहारी मांग बढ़ने से सभी तेल-तिलहनों में सुधार दर्ज हुआ। सूत्रों ने कहा कि सरकार को सूरजमुखी तेल की ही तरह आयात होने वाले सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन तेल के लिए भी बाजार भाव के हिसाब से आयात शुल्क मूल्य (टैरिफ) निर्धारण की व्यवस्था कर देनी चाहिये, क्योंकि आयात शुल्क में वृद्धि के बाद सूरजमुखी और बाकी तेल के आयात शुल्क मूल्य निर्धारण के अलग-अलग मानदंड अपनाने की वजह से अब इन्हीं खाद्य तेलों के आयात भाव का अंतर काफी बढ़ जाता है, जिससे सूरजमुखी महंगा बैठता है। इससे इसका आयात प्रभावित हो सकता है।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपये के सुधार के साथ 6,475-6,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 400 रुपये की तेजी के साथ 13,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45 रुपये और 55 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 2,160-2,260 रुपये और 2,160-2,285 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 115 रुपये और 110 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,760-4,810 रुपये और 4,460-4,695 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 550 रुपये, 500 रुपये और 450 रुपये बढ़कर क्रमशः 13,650 रुपये, 13,150 रुपये और 10,050 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 50 रुपये की सुधार के साथ 6,350-6,625 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की तेजी के साथ 15,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 20 रुपये की तेजी के साथ 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 400 रुपये की तेजी के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 475 रुपये की तेजी के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 475 रुपये की तेजी के साथ 12,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 400 रुपये की तेजी के साथ 12,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में पिछले एक माह में निवेशकों के करोड़ों रुपये डूबे

मुम्बई (ईएमएस)। दिवाली से ठीक पहले शेयर बाजार में निराशा का माहौल है। पिछले कुछ समय में ही निवेशकों के 40 लाख करोड़ रुपये डूब गये हैं। बाजार में पिछले कुछ हफ्तों से लगातार गिरावट रही है। ऐसे में जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो लाभ में था वह भी अब पिछले एक माह से घाटे में आ गये हैं। रिटेल निवेशकों का मानना है कि सालभर में जो भी कमाई हुई थी, वह सब कुछ दिनों में ही हाथ से निकल गयी है। कोविड के बाद इस तरह की गिरावट पहली बार आई है। सबसे ज्यादा नुकसान रिटेल (छोटे निवेशकों) को हुआ है। बाजार खराब दौर से गुजर रहा है। हर दिन निवेशकों को यही लगता है कि अब बाजार में तेजी आएगी परबिकवाली से उनकी उम्मीदें टूट जाती हैं। इससे निवेशक परेशान हैं। पिछले एक माह में मिडकैप-स्मॉलकैप शेयर भी 50 फीसदी नीचे आये हैं। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी शीर्ष स्तर से गिरे हैं। इसके अलावा डिफेंस इंडेक्स भी नीचे आया है। ऑटो सेक्टर में 14 फीसदी और कैपिटल गुड्स में 13.5 फीसदी की गिरावट आई है।

बीएसई का मार्केट कैप करीब 477 लाख करोड़ रुपये था, जो अब घटकर 437 लाख करोड़ पर आ गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में जीएसटी कलेक्शन कुल 20.18 लाख करोड़ रुपये रहा था जबकि पिछले एक महीने में निवेशकों को 40 लाख करोड़ रुपये बाजार का नुकसान हुआ है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बाजार में गिरावट का क्या कारण है। इसको लेकर कहा जा रहा है कि मुनाफावसूली से बाजार नीचे आ रह है। ऐसे में अभी निवेशकों को सावधानी रखनी होगी। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में तेजी से बिकवाली कर रहे हैं। वे भातरीय बाजार से पैसा निकालकर चीन के बाजार में निवेश कर रहें हैं। इसका अंदाज इसी से होता है कि इसी माह विदेशी निवेशकों ने 1.08 लाख करोड़ रुपये बाजार से निकाले हैं। इसके अलावा कई बड़ी कंपनियों की दूसरी तिमाही के परिणाम खराब आ रहे हैं, जिससे शेयरों में गिरावट रही है। इससे भी बाजार की भावना कमजोर पड़ी है। उपभोक्ता और कुछ टेक कंपनियों के परिणाम से भी बाजार को झटका लगा है।

पिछले एक-डेढ़ साल में फंडामेंटली स्टॉक्स में अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली पर इसमें भी कुछ ऐसे शेयर भी तेजी में थे, जिसके बढ़ने के कोई खास कारण नहीं थे। खासकर सरकारी कंपनियां के शेयर, रेलवे शेयर, न्यू टेक्नोलॉजी कंपनियों के शेयर और सरकारी बैंकों के शेयरों में खूब तेजी आई थी। इसके अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट में कुछ शेयर तेजी में थे, अब ऐसे शेयर ही औंधे मुंह गिरे है। इस प्रकार के महंगे वैल्यूवेएशन वाले शेयरों में जमकर बिकवाली रही है और ये 50 फीसदी तक नीचे आये हैं।

कमला के समर्थन में उतरी मिशेल

वाशिंगटन (ईएमएस) । अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में सिर्फ 7 दिन बचे हैं। इस बीच शनिवार को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा ने मिशिगन में कमला हैरिस के लिए एक रैली की। रैली में मिशेल ने कमला का समर्थन करते हुए पुरुषों को अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति चुनने का चैलेंज दिया। मिशेल ने पुरुषों से कहा अगर आपने इस चुनाव में सही मतदान नहीं किया तो आपकी पत्नी, बेटी और मां को इसका खामियाजा भुगतना होगा। क्या आप उनकी आंखों में देख ये कह पाएंगे कि आपकी वजह से उनसे मौका छीन लिया गया। अमेरिका की ब्लैक महिला वोटर्स के बीच मिशेल काफी प्रभाव रखती हैं। ऐसें में उनका समर्थन हैरिस के लिए काफी महत्वपूर्ण है। रैली में मिशेल ने कहा, कमला हर तरह से ये साबित कर चुकी हैं कि वे राष्ट्रपति बनने के लिए तैयार हैं। अब सवाल ये है कि क्या ये देश तैयार है?

बड़ा सवालः ईरान में कहां से घुसे इजरायल के फाइटर जेट्स?

तेहरान,(ईएमएस)। इजरायल ने हाल ही में ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने फाइटर जेट्स से ईरान के आर्मी और मिसाइल बेस पर हमला किया। इस हमले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर यह कि इजरायल के जेट्स ईरान के क्षेत्र में कैसे प्रवेश कर सके। प्रारंभ में यह माना जा रहा था कि इजरायल ने जॉर्डन का एयरस्पेस इस्तेमाल किया होगा, लेकिन जॉर्डन ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। जॉर्डन की सरकारी मीडिया ने सेना के हवाले से कहा है कि इजरायल का कोई भी विमान उनके एयरस्पेस से नहीं गुजरा, क्योंकि ऐसा करने की अनुमति नहीं दी गई थी। ईरान की सीमाएं इराक, अर्मेनिया, तुर्की, अफगानिस्तान, अजरबैजान और पाकिस्तान से जुड़ी हुई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इजरायल के फाइटर जेट्स को ईरान जाना है, तो उन्हें जॉर्डन के एयरस्पेस से गुजरना पड़ता। हालाँकि, जॉर्डन ने स्पष्ट रूप से इस बात से इनकार किया है।

कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि इजरायल के फाइटर जेट्स सीरिया के एयरस्पेस से होकर ईरान पहुंचे। जॉर्डन में फाइटर जेट्स के देखे जाने का भी दावा किया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अप्रैल में, जब ईरान ने एक हमला किया था, तब जॉर्डन ने इजरायल की सहायता की थी और ईरान के हमले को विफल कर दिया था। इस संदर्भ में कई मुस्लिम देशों का मानना है कि जॉर्डन ने इजरायल के विमानों के लिए मार्ग प्रदान किया था।

विशेषज्ञों का कहना है कि इजरायल ने सीरिया पर हमलों की संख्या बढ़ा दी है, ताकि ईरान को यह लगे कि इजरायल केवल लेबनान और सीरिया में ही व्यस्त रहेगा। इससे ईरान को इजरायल की योजनाओं के प्रति सतर्क होने या तैयारी करने का कोई मौका नहीं मिला। इस बीच, कई मुस्लिम देशों ने इजरायल के हमले की निंदा की है। यूएई ने इस्लामी गणतंत्र ईरान को निशाना बनाने की कड़ी आलोचना की और इसे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया। सऊदी अरब ने इसे अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करार देते हुए दोनों पक्षों से तनाव कम करने की अपील की। कतर और मिस्र ने भी इसी तरह की चिंताएं व्यक्त की हैं, और मध्य पूर्व में बढ़ती हिंसा को लेकर चिंता जताई है।

जल्द ही भारत अमेरिका और यूरोप की कतार में खड़ा होगा

- टाटा समूह ने हवाई जहाज निर्माण क्षेत्र में ?किया प्रवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। जल्द ही भारत अमेरिका और यूरोप की कतार में खड़ा होने वाला है। दरअसल, टाटा समूह ने हवाई जहाज निर्माण क्षेत्र में प्रवेश कर ?लिया है। उसका एक प्लांट गुजरात के बडोदरा शहर में बनकर तैयार है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के उनके समकक्ष पेड्रो सांचेज सोमवार करेंगे। टाटा के इस एयरक्राफ्ट कांप्लेक्स में सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का निर्माण किया जाएगा। यह पहली बार है जब देश की कोई निजी कंपनी भारतीय सेना के लिए सैन्य विमान बनाएगी। गौरतलब है ?कि दुनिया में इस वक्त विमान निर्माण की कुछ चुनिंदा कंपनियां हैं। सबसे चर्चित कंपनी है बोइंग और एयरबस। ये कंपनियां अमेरिका और यूरोप की हैं। रूस और चीन के यहां विमान निर्माण कंपनियां हैं लेकिन वे इतनी लोकप्रिय नहीं हैं। ऐसे में भारत का यह कदम उसे अगली कतार में खड़ा करता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कहा कि टाटा समूह का बडोदरा प्लांट में एक पूरा इकोसिस्टम बनेगा। जहां विमानों के निर्माण से लेकर उनकी एसेंबली की जाएगी। सितंबर 2001 में रक्षा मंत्रालय ने 56 विमानों के लिए एयरबस के साथ 21,935 करोड़ रुपये का एक कान्ट्रेक्ट किया था। इनमें से 40 विमानों का निर्माण भारत में करना था। इसके लिए टाटा एडवांस सिस्टम लिमिटेड और एयरबस ने समझौता किया था। भारत सरकार के साथ समझौते के मुताबिक एयरबस को पूरी तरह तैयार 16 विमान सेना को सौंपने थे। बाकी का भारत में निर्माण करना था।

सेंसेक्स की प्रमुख10कंपनियों में से नौ का मार्केट कैप घटा

- सबसे अधिक नुकसान में हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। ?पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,09,952.26 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में सिर्फ एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 44,195.81 करोड़ रुपये घटकर 5,93,870.94 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 41,994.54 करोड़ रुपये घटकर 17,96,726.60 करोड़ रुपये रह गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 35,117.72 करोड़ रुपये घटकर 6,96,655.84 करोड़ रुपये पर आ गया, जबकि भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 24,108.72 करोड़ रुपये घटकर 9,47,598.89 करोड़ रुपये रह गई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 23,137.67 करोड़ रुपये घटकर 14,68,183.73 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 19,797.24 करोड़ रुपये घटकर 5,71,621.67करोड़रुपये पर आ गया, जबकिइन्फोसिसकामूल्यांकन 10,629.49करोड़रुपयेघटकर 7,69,496.61 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 5,690.96 करोड़ रुपयेघटकर 6,02,991.33 करोड़ रुपये परऔरआईसीआईसीआईबैंककी 5,280.11 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 8,84,911.27 करोड़ रुपये पर आ गई।

अब भी मैक्सवेल ने नहीं छोड़ी टेस्ट क्रिकेट खेलने की उम्मीद

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल सीमित ओवरों के एक बड़े खिलाड़ी रहे हैं पर टेस्ट में उन्हें खेलने का अधिक अवसर नहीं मिला है। वह केवल सात मैच ही खेल पाये हैं। मैक्सवेल ने कहा कि उनके अंदर अभी काफी टेस्ट क्रिकेट बचा हुआ है और अवसर मिला तो वह खेलेंगे। वह पिछले कई साल से टेस्ट क्रिकेट से दूर हैं। इस ऑलराउंडर ने कहा कि अगर वह अपने टेस्ट खेलने के सपने को छोड़ देते हैं, तो यह उस युवा मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा, जिसने हमेशा लंबे प्रारूप में खेलने का सपना हमेशा से देखा था।

मैक्सवेल के नाम सीमित ओवरों की क्रिकेट में कई उपलब्धियां हैं। उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट 2017 में ऑस्ट्रेलिया के बांग्लादेश दौरे में खेला था। उन्होंने कहा, अगर मैंने टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना छोड़ दिया तो यह उस युवा ग्लेन मैक्सवेल के साथ अन्याय होगा, जिसने बचपन से ही बैगी ग्रीन कैप पहनने का सपना देखा था। अब भी मेरी टेस्ट खेलने की उम्मीद बनी हुई है, इसलिए मैं खेलने का सपना देखता रहूंगा।

भारत के खिलाफ हालांकि आगामी सीरीज में उन्हें टीम में शायद ही जगह मिले। मैक्सवेल को उम्मीद है कि जनवरी में श्रीलंका के दौरे के लिए वह टेस्ट टीम में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बड़ा हुआ तो मैं टेस्ट क्रिकेट में खेलना चाहता था। मेरा मानना है कि मुझे टेस्ट क्रिकेट में समय से थोड़ा पहले पदार्पण का मौका मिला। यह सब कुछ बहुत जल्दी हुआ और मुझे उस समय प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलने का उतना अनुभव नहीं था जितना कि मैं चाहता था, इस कारया मैरा प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। उनका टेस्ट क्रिकेट के प्रति लगाव अब भी बना हुआ है। इसलिए वह अभी भी टीम में जगह मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावनाः एरिक्सन

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वीडन की दूरसंचार उपकरण विनिर्माता कंपनी एरिक्सन का कहना है ?कि भारत में अंतिम उपयोगकर्ता तक डेटा खपत बढ़ने से उसकी वृद्धि का अगला चरण नेटवर्क सघनीकरण (नेटवर्क डेंसिफिकेशन) से आगे बढ़ेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। एरिक्सन के भारत में प्रबंध निदेशक और दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय बाजार क्षेत्र के लिए एक अ?धिकारी ने बताया कि भारत में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावना है, और तैनाती की संख्या के मामले में यह जल्द ही अमेरिका के आंकड़े को पार कर जाएगी। अ?धिकारी ने कहा ?कि वृद्धि का अगला चरण मुख्य रूप से नेटवर्क उपयोग को बढ़ाने के लिए नेटवर्क सघनीकरण के माध्यम से बढ़ती ट्रैफिक' जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। नेटवर्क का इस्तेमाल बढ़ने से नेटवर्क सघन होता है। नेटवर्क सघनीकरण नेटवर्क में नोड्स का घनत्व बढ़ाने की प्रक्रिया है, जिससे क्षमता, कवरेज सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है। एरिक्सन का अनुमान है कि भारत में डेटा ट्रैफिक 2029 तक प्रति स्मार्टफोन उपयोगकर्ता प्रतिमाह 29 जीबी से बढ़कर 68 जीबी तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा ?कि यदि यह रुख जारी रहता है तो सेवाप्रदाता उपयोग फ़र्ताओं के अनुभव को बढ़ाने के लिए नेटवर्क को सघन करेंगे। भारत में 2022 की दूसरी छमाही और 2023 की शुरुआत में 5जी की तेजी से शुरुआत की वजह से एरिक्सन और अन्य दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के कारोबार में काफी तेजी आई थी। हालांकि, अब उनके कारोबार की रफ्तार धीमी हुई है। एरिक्सन ने दक्षिण-पूर्व एशिया, ओसियाना और भारतीय क्षेत्र में सितंबर, 2024 की तीसरी तिमाही के लिए कारोबार में सालाना आधार पर 44 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है।

लिक्टमैन ने की भविष्यवाणी कहा- 2024 में कमला हैरिस बनेंगी राष्ट्रपति

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों की सटीक भविष्यवाणी करने के लिए प्रसिद्ध इतिहासकार एलन लिक्टमैन ने एक बार फिर 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अपनी राय दी है। उनके अनुसार, इस बार कमला हैरिस चुनाव में विजेता बनकर उभरेंगी, भले ही डोनाल्ड ट्रम्प की लोकप्रियता में मजबूती बनी हुई है। लिक्टमैन ने कहा कि उनकी यह भविष्यवाणी द कीज टू द व्हाइट हाउस नामक प्रणाली पर आधारित है, जिसे उन्होंने 1981 में गणितज्ञ व्लादिमीर केलिस-बोरोक के साथ मिलकर विकसित किया था। इस पद्धति में 13 प्रमुख कारकों का विश्लेषण किया जाता है, जिनमें कांग्रेस में पार्टी की स्थिति, अर्थव्यवस्था की मजबूती, घोटाले, सामाजिक अस्थिरता और उम्मीदवार का करिश्मा शामिल है।

लिक्टमैन के अनुसार, मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में आठ प्रमुख कारक हैरिस के पक्ष में हैं, जो उनकी जीत की संभावना को मजबूती से स्थापित करते हैं। यह प्रणाली 1984 से लेकर अब तक के दस में से नौ चुनावों के नतीजों को सही साबित कर चुकी है, जिससे यह एक भरोसेमंद स्रोत मानी जाती है। इसके बावजूद, इस बार लिक्टमैन को उनके विश्लेषण के लिए अभूतपूर्व आलोचना का सामना करना पड़ा है। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें अश्लील और धमकी भरे संदेश मिल रहे हैं, जिसमें उनके परिवार को भी निशाना बनाया गया है। लिक्टमैन ने कहा कि इस चुनाव चक्र में उन्हें पहले से अधिक शत्रुता का सामना करना पड़ा है, जो पिछले चुनावों से काफी अलग है।

हालांकि, लिक्टमैन का मानना है कि विदेश नीति के घटनाक्रम विशेष रूप से गाजा संघर्ष में बाइडेन प्रशासन की भूमिका चुनावी परिदृश्य को प्रभावित कर सकती है। उनका कहना है कि अगर इस मुद्दे पर अमेरिकी नीति में बड़ा बदलाव आता है, तो यह कारक नतीजों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कारक ट्रंप को सत्ता में वापस लाने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

कमला हैरिस यदि इस भविष्यवाणी के अनुसार चुनाव जीतती हैं, तो वह अमेरिका की पहली महिला और पहली अश्वेत राष्ट्रपति बनेंगी, जो अमेरिकी राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव होगा। लिक्टमैन का यह विश्लेषण राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। अब देखना यह है कि उनकी इस ऐतिहासिक भविष्यवाणी का नतीजा क्या होता है और क्या 2024 का चुनाव एक नया इतिहास लिखेगा।

तुवालू मात्र 12 किमी लंबा और 200 मीटर चौड़ा देश, अस्तित्व बचाने के लिए कर रहा संघर्ष

बढ़ता समुद्री जलस्तर तुवालू के लिए बड़ा संकट बनकर उभरा

पर्थ (ईएमएस)। प्रशांत महासागर में हवाई और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्थित पोलिनेशियाई द्वीपीय देश तुवालू दुनिया में एक खास पहचान रखता है। इस देश की कुल लंबाई मात्र 12 किमी है और चौड़ाई 200 मीटर है। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि यहां पर मात्र एक एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और पुलिस थाना है। इस देश की राजधानी फनाफुटि है। यहां पर तुवालुआन और ऑस्ट्रेलियाई डॉलर करेंसी के रूप में चलते हैं। इसके पड़ोसी देश किरिबाती और फिजी हैं। यहां की कुल आबादी 12,373 है। तुवालू की खोज 1568 ईस्वी में हुई थी। बाद में ब्रिटेन ने इसके ऊपर अपना दावा पेश किया। एक अक्टूबर 1978 में तुवालू को यूनाइटेड किंगडम से आजादी मिली। यहां पर संसदीय लोकतंत्र और संवैधानिक राजशाही है। यह अभी भी ब्रिटिश शासन के तहत आता है और यहां पर गवर्नर जनरल का शासन चलता है। अगर कुल क्षेत्रफल की बात करें तो तुवालू मात्र 26 वर्गकिमी में फैला है। विश्व बैंक के मुताबिक 2016 में तुवालू की कुल जनसंख्या 11,097 थी। पर करीब 91 फीसदी लोग नास्तिक हैं और अन्य ईसाई धर्म को मानने वाले हैं।

समुद्र में समा रहा है तुवालू

साल 2021 में नौ नवंबर को यहां के तत्कालीन विदेश मंत्री सिमोन कोफे ने घुटने तक पानी में खड़े होकर स्पीच दी थी। इसके साथ ही उन्होंने तुवालू के समुद्र में समाने के दर्द को सामने रखा था। यह देश कुल नौ छोटे-छोटे आइलैंड्स से मिलकर बना है।

बढ़ता समुद्री जलस्तर तुवालू के लिए बड़ा संकट

बढ़ता समुद्री जलस्तर तुवालू के लिए सबसे बड़ा संकट है। नासा का अनुमान है कि साल 2050 तक यहां के कई हिस्से ज्वार में डूब जाएंगे। समुद्री पानी के चलते अब यहां पर फसलें खराब होने लगी हैं। इसके चलते लोगों के सामने खाने का संकट पैदा होने लगा है। इसके लिए यहां पर अलग इंतजाम किया जा रहा है। खेती योग्य जमीन को बढ़ाया जा रहा है और इसके लिए समुद्री दीवारें बनाई जा रही हैं। तुवालू के लिए सबसे बड़ी आशा की किरण ऑस्ट्रेलिया है जो उसके लिए प्रवास का रास्ता बना रहा है।

मनमोह लेती है यहां की खूबसूरती

प्राकृतिक नजारों और चारों ओर से घिरे समुद्र की खूबसूरती मन को मोहने वाली है। इसके बावजूद यहां पर टूरिस्ट बहुत कम ही आ पाते हैं। हर साल औसतन 2000 टूरिस्ट तुवालू देश पहुंचते हैं। यहां कम लोगों के आने की सबसे बड़ी वजह है यहां पर ताजे पानी की कमी। ताजे पानी का सबसे बड़ा स्त्रोत यहां पर बरसात है। खाने के लिए मछलियां ही मिलेंगी। ऐसे में अगर कोई शाकाहारी है तो उसके लिए यहां काफी मुश्किल होगी। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्लूटीओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2016 में 2,000 लोगों ने तुवालू की यात्रा की। वहीं, 2014 में यहां की यात्रा करने वालों की संख्या मात्र एक हजार थी।

घूमने के लिए बेहद खास है यह देश

वैसे यह देश घूमने के लिए बेहद खास है। तुवालू उन चार देशों में से एक है जो पूरी तरह से मूंगा एटोल पर बने हैं। असल में एटोल समुद्र के अंदर के द्वीप होते हैं। जब ज्वालामुखी समुद्र में ढह जाता है तो अपने पीछे एक मूंगा चट्टान छोड़ जाता है। यह द्वीप को घेरे हुए हैं। यहां का मौसम भी बेहद लाजवाब होता है। अगर आप तुवालू जाने के बेस्ट समय के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि मई से अक्टूबर महीने का समय सबसे अच्छा रहता है। इस वक्त मौसम खुशनुमा रहता है। साथ ही बारिश और उमस भी कम रहती है।

तुवालू में आम आदमी के लिए कार रखने का नियम ही नहीं है। यहां पर केवल सरकारी अधिकारी कर्मचारी ही कार रख सकते हैं। यहां पर अंतिम संस्कार का ढंग भी अनोखा है। लोग अपने परिजन को उस घर के आंगन में दफनाते हैं, जहां मरने वाला रहता था।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में शेयरों से 85,790 करोड़ निकाले

- एफपीआई की निरंतर बिकवाली से बाजार की धारणा प्रभावित हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी है। इस महीने एफपीआई ने अब तक भारतीय बाजार से 85,790 करोड़ रुपये या 10.2 अरब डॉलर की निकासी की है। चीन के प्रोत्साहन उपायों, वहां शेयरों के आकर्षक मूल्यांकन तथा घरेलू शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। विदेशी कोषों की निकासी के मामले में अक्टूबर का महीना सबसे खराब साबित हो रहा है। मार्च, 2020 में, एफपीआई ने शेयरों से 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे। इससे पहले सितंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो उनके निवेश का नौ माह का उच्चस्तर है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जून से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार लिवाल बने हुए थे। अप्रैल-मई में उन्होंने जरूर 34,252 करोड़ रुपये की निकासी की थी। बाजार के ?विशेषज्ञों ने कहा कि भविष्य में एफपीआई का भारतीय बाजार में निवेश भू-राजनीतिक स्थिति और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव जैसे वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति का रुख, कंपनियों के तिमाही नतीजे और त्योहारी सत्र की मांग पर एफपीआई की निगाह रहेगी। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने एक से 25 अक्टूबर के बीच भारतीय शेयर बाजार से 85,790 करोड़ रुपये की ?निकासी की है। एफपीआई की निरंतर बिकवाली ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, जिससे एनएसई का निफ्टी अपने शीर्ष स्तर से आठ प्रतिशत नीचे आ गया है। एफपीआई की निरंतर बिकवाली के रुख में तत्काल बदलाव आने की संभावना नहीं है। चीन के प्रोत्साहन उपायों की वजह से एफपीआई वहां के बाजार का रुख कर रहे हैं। इसके अलावा भारत में मूल्यांकन ऊंचा होने की वजह से भी एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान बॉन्ड से सामान्य सीमा के माध्यम से 5,008 करोड़ रुपये निकाले हैं और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) से 410 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस साल अब तक एफपीआई ने शेयरों में 14,820 करोड़ रुपये और ऋण या बॉन्ड बाजार में 1.05 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज वडोदरा में सी-295 परिवहन विमान के लिए टाटा के एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का करेंगे उद्‌घाटन

गांधीनगर, 27 अक्टूबर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री श्री पेड्रो सांचेज 28 अक्टूबर को वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) परिसर में सैन्य परिवहन विमान सी-295 के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्‌घाटन करेंगे। इसके साथ ही वडोदरा विमानन क्षेत्र के एक उभरते केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर लेगा। यह कॉम्प्लेक्स भारत में सैन्य विमानों से संबंधित निजी क्षेत्र की पहली फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) होगा।

संस्कार नगरी वडोदरा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिल के काफी करीब है। केंद्र की राजनीति में कदम रखने के लिए उन्होंने अपने पहले लोकसभा चुनाव के लिए वाराणसी के साथ-साथ वडोदरा को चुना था, और भारी बहुमत से विजयी हुए थे। सैन्य परिवहन विमान निर्माण परियोजना के उद्‌घाटन के साथ ही श्री नरेन्द्र मोदी ने वडोदरा के वैश्विक विकास को एक नई दिशा देते हुए वडोदरावासियों के प्रेम का कर्ज उतारने का प्रयास किया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अक्टूबर, 2022 में टाटा एडवांस सिस्टम की इस सुविधा की आधारशिला रखी थी। इससे प्रधानमंत्री की यह बात भी प्रमाणित होती है कि उनकी सरकार जिस परियोजना का शिलान्यास करती है, उसका उद्‌घाटन भी वही करती है। वडोदरा गुजरात की सांस्कृतिक राजधानी और प्रमुख औद्योगिक केंद्र है। यह शहर भारत के सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट-दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (डीएमआईसी) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्पेन की कंपनी एयरबस स्पेस एंड डिफेंस और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के गठजोड़ से अब यहां भारतीय वायु सेना के लिए सी-295 सैन्य परिवहन विमान का निर्माण होगा। लगभग 22 हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली इस बहुउद्देशीय सैन्य परिवहन की निर्माण सुविधा से वडोदरा के औद्योगिक विकास को एक नई रफ्तार मिलेगी।

खास बात यह है कि इस सैन्य परिवहन विमान निर्माण परियोजना में 100 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भी जुड़े हुए हैं। इससे गुजरात में एमएसएमई क्षेत्र के विकास के नए द्वार खुलेंगे। वहीं, इस परियोजना के माध्यम से 10 हजार से अधिक उच्च और मध्यम कौशल वाले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन भी होगा। वडोदरा में बनने वाले परिवहन विमान न केवल हमारी वायु सेना को एक नई शक्ति देंगे, बल्कि इससे देश में विमान निर्माण का एक नया इकोसिस्टम विकसित करने में भी सहायता मिलेगी। इसके साथ ही, वडोदरा दुनिया के उन चुनिंदा शहरों में अपनी जगह बनाएगा, जहां ऐसे उन्नत सैन्य परिवहन विमान बनाए जाते हैं।

सेक्टर स्पेसिफिक विकास की राह पर आगे बढ़ता वडोदरा

गुजरात के एक मुख्य औद्योगिक केंद्र के रूप में वडोदरा की एक विशिष्ट पहचान है। यह शहर रसायन और पेट्रोरसायन, फार्मास्युटिकल्स, प्लास्टिक और मशीन टूल्स जैसी औद्योगिक इकाइयों का हब है। अपने शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर और कुशल मानवबल की उपलब्धता के चलते वडोदरा भारत ही नहीं दुनिया भर के उद्यमियों को आकर्षित करता है।

वडोदरा में ट्रांसपोर्टेशन इंडस्ट्री का पदार्पण तो पहले ही हो चुका है। वडोदरा के निकट सावली में स्थित बॉम्बार्डियर ट्रांसपोर्टेशन रेल वाहन निर्माण और बोगी असेंबली हॉल का संचालन करता है। यह कंपनी भारत में रोलिंग स्टॉक (रेलवे वाहन) और दिल्ली मेट्रो की सिग्नलिंग प्रणाली की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। बॉम्बार्डियर भारत से पूरी दुनिया में रेल उपकरण भी निर्यात करता है। वहीं, एमजी (मॉरिस गैरेज) मोटर इंडिया ने वडोदरा के समीप हालोल स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 2200 करोड़ रुपए के निवेश से एमजी हेक्टर कार का उत्पादन शुरू किया है। इसी प्रकार हालोल में ही देश की सबसे बड़ी टू व्हीलर्स निर्माता कंपनियों में से एक हीरो मोटोकॉर्प के संयंत्र में दोपहिया वाहनों का उत्पादन होता है।

प्रधानमंत्री के विजन से विकास का 'इंजन' बना गुजरात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान आधुनिक औद्योगिक विकास की नींव रखी। परंपरागत राह पर चलने के बजाय उन्होंने राज्य के औद्योगिक विकास की एक अभिनव राह चुनी। श्री मोदी ने उद्योग अनुकूल माहौल, सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के साथ-साथ वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की नई पहल के माध्यम से गुजरात को उद्योग जगत का पसंदीदा गंतव्य बना दिया। उद्योगों की हर छोटी-बड़ी समस्याओं पर व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देकर उन्होंने यह विश्वास दिलाया कि गुजरात को अपने निवेशकों की फिक्र है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात श्री नरेन्द्र मोदी की उस विरासत को शानदार तरीक से आगे बढ़ा रहा है।

आज गुजरात और बिजनेस, एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। रेल, सड़क और हवाई मार्ग का सुदृढ़ बुनियादी ढांचा, बेहतरीन औद्योगिक नीति, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, कुशल मानवबल की उपलब्धता तथा शांति एवं सुरक्षा के माहौल के चलते गुजरात देश का विकास इंजन बन गया है। इतना ही नहीं, रक्षा, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, एआई और फाइनेंशियल सेक्टर जैसे नए क्षेत्रों में मजबूत उपस्थिति के साथ गुजरात इंडस्ट्री 5.0 यानी पांचवीं औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने को तैयार है।

स्पेन केप्रधानमंत्री के बंदोबस्ती रिहर्सल के बाद वड़ोदरा शहर में जगह-जगह जाम

वड़ोदरा,27 अक्टूबर

स्पेन के प्रधानमंत्री के बंदोबस्त की रिहर्सल के बाद हर जगह ट्रैफिक जामः दिवाली के दिन रूट बदलने से लोग परेशान 1- छवि स्पेन के प्रधानमंत्री कल वड़ोदरा पहुंच रहे हैं,

इस दौरान कई जगह वाहन चालक फंसे रहे आज शाम बंदोबस्त का अभ्यास कर रहा हूँ। दिवाली से कुछ दिनपहले रूट बदलने से लोगों को परेशानी होगी, इस वजह से सोशल मीडिया पर बदले हुए रूट के मैसेज वायरल हो रहे हैं.

चूंकि स्पेन के प्रधानमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री 27 तारीख की रात को वडोदरा आ रहे हैं और भारत के प्रधानमंत्री वडोदरा में टाटा एयरक्राफ्ट के कार्यक्रम में हैं, इसलिए शहर पुलिस आयुक्त ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की है मार्ग पर कोई पार्किंगनहीं होने और किन मार्गो को बदला गया है, इसकी भी घोषणा जारी की।

चूंकि स्पेन के प्रधानमंत्री कल देर शाम आ रहे हैं, इसलिए आज व्यवस्था का पूर्वाभ्यास किया गया. इस बीच, हरानी हवाईअड्डे से लेकर पश्चिमी क्षेत्र के निजी होटल तक के मार्ग पर कई स्थानों पर लोग 15 से 20 मिनट तक जाम में फंसे रहे इस रूट पर कुछ इलाकों में दिवाली की खरीदारी के चलते ट्रैफिक व्यवस्था गड़बड़ा गई थी इसी तरह 28 तारीख को भी रूट बदला गया है तो दिवाली के आखिरी दिन व्यापारियों और खरीदारी के लिए निकलने वाले लोगों के लिए परेशानी का समय होगा।

भारत और स्पेन के प्रधानमंत्री के वडोदरा में कार्यक्रम के बाद उनके रूट पर विशेष सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है. कल 27 तारीख को स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ आ रहे हैं और अगले दिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं, इसलिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के लिए कड़ी व्यवस्था की गई है.

प्राप्त विवरण के अनुसार, वडोदरा के 7 आईपीएस के साथ-साथ बाहर के 10 आईपीएस भी सेक्टर के अनुसार अपनी डयूटी निभाएंगे। इसके अलावा, विशेष कमांडो सहित केंद्रीय और राज्य सुरक्षा एजेंसियों की फोर्स भी पहुंची है बंदोबस्ती के लिए बाहर से भी बेड़ा मंगाया गया है. दोनों प्रधानमंत्रियों के रूट की निगरानी ऊंचे स्थानों और निगम व पुलिस के सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी।

केन्द्र सरकार आज शहरों में आधुनिक व सुरक्षित सार्वजनिक परिहन सेवाओं के लिए निरंतर प्रयत्नशील : केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल

गांधीनगर,27अक्टूबर :गुजरात में राजधानी गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर आयोजित तीन दिवसीय 17वीं अर्बन मोबिलिटी इंडिया (यूएमआई) कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो का रविवार को केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री श्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में समापन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें गुजरात के वित्त एवं ऊर्जा मंत्री श्री कनुभाई देसाई तथा ओडिशा के शहरी विकास मंत्री श्री के. सी. महापात्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सफल अर्बन मोबिलिटी नागरिकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा सुविधा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, अपितु प्रत्येक नागरिककाजीवन सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त बनाने के साथ-साथ कार्बन फुटप्रिंट व प्रदूषण घटाने के लिए भी है, जिससे भावी पीढ़ी का जीवन अधिक अच्छा-सुरक्षित बन सके। भारत सरकार आज आधुनिक व सुरक्षित परिवहन सेवाओं के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। सरकार द्वारा शुरू किए गए स्मार्ट सिटी मिशन तथा अटल मिशन इंटीग्रेटेड अर्बन मोबिलिटी की नींव थे। पीएम ई-बस सेवा से पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवा को अधिक अच्छा बनाया गया है। उन्होंने मेट्रो सेवा के विषय में कहा कि आज देश में मेट्रो की सेवा करीब 23 शहरों में 989 किलोमीटर के क्षेत्र में विकसित की गई है, जिसे भविष्य में और 974 किलोमीटर में विस्तार किया जाएगा। देशभर में प्रतिदिन 1 करोड़ यात्री मेट्रो सेवा का लाभ ले रहे हैं। भविष्य में मेट्रो नेटवर्क की लंबाई के मामले में भारत में विकसित हो रहा मेट्रो नेटवर्क चीन के बाद दूसरे नंबर की सेवा बनेगा। श्री मनोहर लाल ने घोषणा की कि आगामी वर्ष 2025में18वींयूएमआई कॉन्फ्रेंस हरियाणा के गुरुग्राम में 24 से 26 अक्टूबर के दौरान आयोजित होगी। उन्होंने सभी को उसमें सहभागी होने का आमंत्रण दिया।

केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कॉन्फ्रेंस की सफलता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वर्ष 2008 से शुरू हुई एमयूआई कॉन्फ्रेंस भारत के शहरी एवं महानगरीय क्षेत्रों में विकास की कायापलट करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। आज भारत में मेट्रो नेटवर्क से दैनिक एक करोड़ से भी अधिक नागरिक यात्रा कर रहे हैं। नागरिकों की यात्रा सुविधा में मेट्रो सेवा तथा ई-बस सेवा महत्वपूर्ण सिद्ध हो रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2025 में भारत को पाँच ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने का संकल्प किया है, जिसमें भारत सरकार के शहरी विकास विभाग की महत्वपूर्ण भागीदारी रहेगी। साहू ने जोड़ा कि इस प्रकार की कॉन्फ्रेंस का आयोजन होना भारत के लिए परिवहन क्षेत्र में नई दिशा की शुरुआत है। कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मेट्रो सिटी के मेट्रो रेल के प्रबंध निदेशकों के बीच संवाद, राज्यों के बीच परिवहन संबंधी चर्चा जैसे महत्वपूर्ण सत्रों में इस विषय पर विचार-विमर्श किया गया कि नागरिकों को परिवहन की अधिक अच्छी सुविधाएँ किस प्रकार दी जा सकती है।

उन्होंने जोड़ा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के नागरिकों के लिए सड़क से लेकर हवाई यात्रा तक की यात्रा अधिक सुदृढ़ बनी है। मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि सफल अर्बन मोबिलिटी नागरिकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा सुविधा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, अपितु प्रत्येक नागरिक का जीवन सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त बनाने के साथ-साथ कार्बन फुटप्रिंट व प्रदूषण घटाने के लिए भी है,देशभर में एक्सप्रेस हाईवे, फोरलेन तथा सिक्सलेन हाईवे जैसे राजमार्गों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत का प्रत्येक नागरिक अपने-अपने क्षेत्रों में 100 प्रतिशत योगदान देगा, तभी भारत वर्ष 2047 में विकसित होगा।

केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के सचिव श्री के. श्रीनिवास ने स्वागत संबोधन करते हुए कहा कि भारतीय शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए यूएमआई कॉन्फ्रेंस महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अर्बन मेट्रो रेल, स्मार्ट सिटी, अमृत, पीएम गति शक्ति, पीएम बस सेवा आदि सार्वजनिक परिवहन सेवा शहरी नागरिकों के लिए वरदान समान है। इस कॉन्फ्रेंस में महापौरों तथा मनपा आयुक्तों की उपस्थिति में इस दिशा में विचार-विमर्श किया गया है कि भारत के शहरों को सार्वजनिक परिवहन के साथ ही अधिक से अधिक रहने योग्य कैसे बनाया जाए। उन्होंने जोड़ा कि हम 'विकसित भारत' को 'विकसित अर्बन भारत' के सपनेके जरियेसाकार करने की दिशा में संयुक्त रूप से काम करेंगे। केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री जयदीप ने इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस को सफलबनाने के लिए सहभागी होने के लिए सभी महानुभावों, प्रतिनिधियों तथा कंपनियों के प्रतिनिधियो का आभार व्यक्त किया।

अहमदाबाद के नारोल में फैक्ट्री में गैस लीक होने से 2 की मौत,5लोगों की हालत गंभीर

अद्यतनः 27 अक्टूबर,

अहमदाबाद में गैस लीकः अहमदाबाद के नारोल में एक फैक्ट्री में गैस लीक होने से लोगों में भारी भगदड़ मच गई. खबर है कि 2 मजदूरों की मौत हो गई है. इस घटना में गैस के प्रभाव से नौ लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है. पांच लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, जीपीसीबी, फैक्ट्री इंस्पेक्टर और पुलिस का बेड़ा मौके पर पहुंच गया।

जानकारी के मुताबिक, नारोल इलाके में स्थित देवी सिंथेटिक प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी में गैस रिसाव हुआ. जिससे 9 लोग बेहोश हो गए. उपस्थित कर्मचारियों द्वारा तुरंत 108 को कॉल करके सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया और पांच लोगों की हालत गंभीर पाई गई। घटना की सूचना जैसे ही अग्निशमन विभाग को मिली, वे मौके पर पहुंचे और गैस रिसाव को बंद कर दिया. अब पुलिस और फायर ब्रिगेड द्वारा पूरी घटना की जांच की जा रही है.

अधेड़ महिला से दुष्कर्म और अप्राकृतिक दुष्कर्म के आरोपी ताउम्र कैद की सजा

वडोदरा (ईएमएस) दो साल पहले वाघोडिया में पशु चराने गई अधेड़ महिला के साथ एक युवक ने दुष्कर्म और अप्राकृतिक दुष्कर्म किया थाँ इस मामले की सुनवाई करते हुए वडोदरा की कोर्ट ने आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए ताउम्र कैद की सजा सुनाई हैं साथ ही रु. 7 लाख का मुआवजा पीड़ित महिला को देने का आदेश दिया हैं

जानकारी के मुताबिक वडोदरा के ग्रामीण क्षेत्र वाघोडिया में 55 साल की एक महिला पति से तलाक के बाद अपने भाई-भाभी के साथ रहती थीं दो साल पहले 2022 में महिला मवेशियों को चराने के लिए गई थी। उस समय वहां पहुंचे प्रवीण उर्फ अरविंद नरसिंहभाई वसावा की नजर महिला पर पड़ी। जिसके बाद प्रवीण महिला को घसीटकर खड्ड में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म और प्रकृति के विरुद्ध कृत्य किया।

बाद में उसने महिला को धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो उसे जान से मार दिया जायेगाँ घटना के बाद पीड़िता ने इसकी जानकारी परिजनों को दीं परिवार से प्रोत्साहित होकर पीड़िता ने अरविंद वसावा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दियाँ इस मामले में अदालत ने सरकारी वकील रधुवीर पंडया की दलीलों को स्वीकार करते हुए आरोपी अरविंद वसावा को दोषी ठहराया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही गुजरात पीड़ित मुआवजा योजना के तहत पीड़िता को 7 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया गया हैं इस मामले की सुनवाई करते हुए वडोदरा की कोर्ट ने आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए ताउम्र कैद की सजा सुनाई हैं

सौराष्ट्र के सासण गीर के बाद अब एशियाई सिंहों का दूसरा घर बना बरडा वन्यजीव अभयारण्य

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में पर्यटकों के लिए नया नजराना जुड़ने जा रहा है। आगामी धनतेरस के दिन यानी 29 अक्टूबर मंगलवार को देवभूमि द्वारका का कपुरडी चेकपोस्ट पर एशियाई सिंहों का दूसरा नया आवास यानी बरडा वन्यजीव अभयारण्य तथा बरडा जंगल सफारी फेज-1 का वन एवं पर्यावरण मंत्री मुळुभाई बेरा द्वारा शुभारंभ किया जाया जाएगा। इस अवसर पर जामनगर की सांसद श्रीमती पूनमबेन माडम, देवभूमि द्वारका एवं पोरबंदर के विधायक विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। गुजरात के प्रधान मुख्य वन्यजीव संरक्षक (पीसीसी) एन. श्रीवास्तव ने नए बरडा वन्यजीव अभयारण्य के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि एशियाई सिंह विश्व में बहुत विख्यात तथा केवल गुजरात के जूनागढ फॉरेस्ट रेंज में देखने को मिलते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में वन्यजीवों का संरक्षण व संवर्धन हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप अब बरडा की टेकरियों में भी नागरिकों-पर्यटकों को गुजरात के गौरव समान एशियाई सिंह निहारने को मिलेंगे। हाल में गुजरात में लगभग 674 एशियाई सिंह पाए जाते हैं और अब देवभूमि द्वारकाजिले में बरडा वन्यजीव अभयारण्य भी सुरक्षित व प्राकृतिक निवास के रूप में स्थापित होगा।

यह अभयारण्य विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों, जन्यजीवों, रंगबिरंगी स्थानीय एवं हंसावर पक्षियों के विचरण के लिए पुराना व विख्यात स्थल है और यह पूरा विश्व जानता है। बरडा वन्यजीव अभयारण्य की विविधतापूर्ण निवसन प्रणाली 368 वनस्पति प्रजातियों को आश्रय देती है, जिनमें 59 पेड़, 83 पौधे, 200 क्षुप तथा 26 बेल प्रजातियाँ शामिल हैं। वनस्पतियों की 368 प्रजातियों में सर्वाधिक 54 प्रतिशत क्षुप हैं। इसके बाद 23 प्रतिशत पौधे, 16 प्रतिशत पेड़ तथा 9 पौधे हैं। खिरनी बरडा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रजातियों में से एक है।

लगभग 14 दशकों के बाद यह वन क्षेत्र फिर एक बार एशियाई सिंहों की उपस्थिति का गौरव अनुभव कर रहा है। इसके अलावा यह अभयारण्य कुल 22 सस्तन प्राणियों की प्रजातियों के लिए निवास स्थान है। इनमें सिंह के अलावा तेंदुए, जंगली बिल्लियाँ, लकड़बग्घे, छोटी कस्तूरी बिलावें, लोमड़ियाँ, लुंकड़ियाँ तथा खरगोश शामिल हैं। इसके अलावा यह अभयारण्य हिरणों, सांभर हिरणों, चीतलों, नीलगायों तथा जंगली सूअरों जैसे प्राणियों का भी निवास स्थान है। इस अभयारण्य में पक्षियों की 269 प्रजातियों का समावेश होता है, जो सभी नागरिकों के लिए गौरव समान है। इनमें मोर, तीतर, दूधराज, चित्रित सारस, बुलबुल, चास (नीलकंठ), देशी नीलकंठ, श्वेतकंठ, कलकलियों (किंगफिशर) जैसे पक्षी विचरण पाए जाते हैं।

बरडा जंगल सफारी में भाणवड-राणावाव तथा बरडा वन्यजीव अभयारण्य के सबसे मनोहर क्षेत्रों का समावेश किया गया है। इस सफारी द्वारा पर्यटक बरडा वन्यजीव अभयारण्य की समृद्ध जैवविविधता का रोमांचक अनुभव करेंगे। यह सफारी ट्रेल भव्य किलगंगा नदी (देवभूमि द्वारका में स्थित) के सान्निध्य से गुजर कर बरडा वन्यजीव अभयारण्य की समृद्ध वनस्पति सृष्टि तथा विशिष्ट प्राणि सृष्टि को निहारने का अनूठा अवसर देती है। सफारी परमिट प्राप्त करने के लिए पर्यटकों को टिकट खिड़की से पहले से बुकिंग कराना अनिवार्य है। आगामी समय में इस परमिट केलिए ऑनलाइन बुकिंग सुविधा भी उपलब्ध होगी, जिससे पर्यटक अधिक आसानी से और अग्रिम आयोजन भी कर सकेंगे।

बरडा प्रदेश ऊँचे-नीची पहाड़ियों तथा टेकरियों से सज्ज भौगोलिक रचना के साथ लगभग 215 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र है, जिसमें से 192.31 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के अंतर्गत अधिकृत रूप से वन्यजीव अभयारण्य के रूप में घोषित किया गया है।

सौराष्ट्र के तीन जिलों अमरेली, गिर सोमनाथ और राजकोट में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया

अमरेली 27 अक्टूबर

सौराष्ट्र के तीन जिलों अमरेली, गिर सोमनाथ और राजकोट में भूकंप का झटका महसूस किया गया है. इसकी तीव्रता 3.7 दर्ज की गई है. जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र धारी से 16 किमी दूर दर्ज किया गया. भूकंप 5:16 मिनट पर आया. जिसकी पुष्टि गांधीनगर भूकंप विज्ञान विभाग ने की है.

राजकोट के जेतपुर सहित अमरेली शहर के आसपास के ग्रामीण इलाकों सावरकुंडला, धारी, खंभा, चलाला समेत आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी आवाज के साथ कुछ सेकंड के लिए भूकंप का झटका महसूस हुआ. तेज भूकंप के झटके से सावरकुंडला के मितियाला, धजड़ी, साकरपारा, ततानिया जैसे गांव हिल गए. भूकंप आते ही लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल पड़े. बता दें कि पिछले एक से डेढ़ दशक में इस इलाके में इस तरह का भूकंप नहीं आया है.

खंभा के ततानिया गांव में भूकंप आने पर लोग अपने घरों से बाहर निकल आए. ततानिया गांव की एक हीरा फैक्ट्री में भूकंप के झटके का वीडियो सामने आया है.भूकंप के बाद हीरा निर्माता भागते नजरआरहेहैं.वरिष्ठभूकंपविज्ञानी संतोषकुमार ने कहा, 'कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। भूकंप के कई कारण होते हैं। आशंका है कि भारी बारिश के कारण भूकंप आया होगा. साथ ही एक हिस्से के सक्रिय होने से भी भूकंप आया होगा. अभी भी झटके आ सकते हैं. इतनी बड़ी क्षति की संभावना नहीं है।' अभी तक इस भूकंप से किसी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं हैं भूकंप का केंद्र अमरेली से 41 किमी दूर स्थित हैं खासकर सावरकुंडला और धारी में यह भूकंप ज्यादा महसूस किया गया हैं अमरेली के अलावा गिर सोमनाथ और जूनागढ़ में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं

मोतीलाल ओसवाल के नाम पर निवेश कर 1.74 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

अहमदाबाद, 27 अक्टूबर,

गाठिया ने मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट कंपनी के नाम से सोशल मीडिया पर मैसेज कर आकर्षक रिटर्न के नाम पर भोपाल में रहने वाले एक व्यक्ति से 1.43 करोड़ रुपए और जगतपुर में रहने वाले एक युवक से 31 लाख रुपए ऐंठ लिए और करोड़ों का मुनाफा मांगा। शेयर बाज़ार में निवेश के विरुद्ध रुपया।

20 अगस्त 2024 को भोपाल के मारुतिनंदन कुटीर बंगलोज निवासी मेहुल रावल को किसी ने मोतीलाल ओसवाल कंपनी नाम के व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा था। जहां शेयर बाजार में निवेश के टिप्स दिए गए. फिर उसका अकाउंट तैयार किया गया. चूंकि मोतीलाल ओसवाल का नाम मार्केट में बड़ा है, इसलिए उन्होंने विश्वास किया और पहले 10 हजार का निवेश किया। जिसके एवज में 2500 रुपए का मुनाफा दिया गया। इसके बाद के निवेश पर ढाई लाख का मुनाफा दिया गया।

इसलिए मेहुलभाई ने ज्यादा कमाई के लालच में 43.64 लाख का निवेश कर दिया. इस दौरान बताया गया कि विभिन्न कंपनियों के आईपीओ शेयर आवंटित किये गये और साढ़े तीन करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ. हालांकि, इस पैसे को निकालने के लिए 20ङ सर्विस चार्ज के नाम पर 55.65 लाख की रकम जमा करनी पड़ी. हालांकि, इसके बाद प्रॉफिट अकाउंट में ट्रांसफर न होने की प्रक्रिया में 41 लाख का अतिरिक्त निवेश किया गया. इस प्रकार कुल 1.43 करोड़ की रकम लेने के बाद भी मेहुलभाई को संदेह हुआ कि पैसे की मांग की जा रही है और जब उन्होंने मुंबई में मोतीलाल ओसवाल के कार्यालय में जांच की, तो उन्हें पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। इस संबंध में भोपाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. एक अन्य घटना में, जगतपुर के अथर्व लैंड मार्क निवासी सूरज पटेल नामक युवक को मोतीलाल ओसवाल ग्रुप के व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा करके कुल 31 लाख रुपये की ठगी की गई। इस तरह मोतीवाल ओसवाल के नाम पर 1.74 करोड़ की रकम की धोखाधड़ी की गई.

'हमें स्कॉलरशिप नहीं चाहिए...पांच हजार खर्च करने पर 900 रुपये।' बस इसे प्राप्त करें', स्कूल की केवाईसी प्रक्रिया के खिलाफ एक अभिभावक का आक्रोश

27 अक्टूबर

सरकारी स्कूलों में दिवाली की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं. लेकिन सरकारी शिक्षक अभी छुट्टी पर नहीं हैं, शिक्षकों को ई-केवाईसी करने का सर्कुलर मिल गया है. तभी एक शिक्षक और एक अभिभावक का कथित ऑडियो क्लिप वायरल हो गया है. जिसमें शिक्षक अभिभावक को कॉल कर ई-केवाईसी के बारे में पूछते हैं। तब अभिभावक सरकारी कार्यालय द्वारा ई-केवाईसी न करने की बात करते हैं और इससे तंग आ जाते हैं। इसके साथ ही अभिभावक शिक्षक से कहते हैं कि पांच हजार रुपये खर्च करने के बाद उन्हें मात्र 700 रुपये मिलते हैं. इसलिए हम छात्रवृत्तियाँ नहीं देखते हैं। तुम फ्री हो जाओगे, हम फील्ड में काम करते हैं. इसलिए इस बारे में अभी फोन न करें, अगर बच्चा स्कूल नहीं आए तो फोन करें।'

छात्रवृत्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा कुछ नये नियम लागू किये गये हैं। अब छात्रवृत्ति पाने के लिए सबसे पहले छात्र का बैंक खाता, आधार कार्ड और राशन कार्ड में नाम होना अनिवार्य है। इसके साथ ही छात्र का राशन कार्ड आधार कार्ड और बैंक खाते से लिंक होना भी अनिवार्य है। फिर इस नियम के मुताबिक अगर छात्र का नाम राशन कार्ड में नहीं है तो उन्हें अपना नाम राशन कार्ड में जुड़वाना होगा। यदि राशन कार्ड नहीं है तो नया राशन कार्ड जारी करना होगा।

यह प्रक्रिया पूरी न होने पर छात्रवृत्ति नहीं दी जा सकेगी। अब छात्र और अभिभावकों को आधार कार्ड बनवाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है, सुबह से लाइन में खड़े होने के बाद भी कई दिनों तक आधार कार्ड नहीं बन पाता है. दूसरी ओर, बैंक बैंक खाते नहीं खोलते हैं। कई कोशिशों के बाद जब छात्र 5 हजार की रकम बैंक में जमा करता है तो खाता खुल जाता है.

सांकरदा जमीन मामलाः बीसी 8.22 करोड़ का चेक रिटर्न केस हारा

जब अदालत ने फटकार लगाई, तो बीसीए को एहसास हुआ कि मूल शिकायत गैर-आधिकारिक अधिकारियों द्वारा दायर की गई थी।

वडोदरा,27 अक्टूबर

8.22 करोड़ रुपये के चेक रिटर्न मामले में बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन निचली अदालत में हार गया है. सांकरदा में क्रिकेट स्टेडियम बनाने के लिए जमीन का सौदा हुआ था. जमीन दलाल द्वारा दिया गया चेक सौदा रद्द होने के बाद वापस आ गया. 10 साल से चल रहे इस मामले में आखिरकार फैसला आ गया है, लेकिन बीसीए इस आदेश को ऊपरी अदालत में चुनौती देगा.

इस मामले का विवरण यह है कि बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन को वर्ष 2007 में सांकरदा में क्रिकेट स्टेडियम बनाने के लिए 63 एकड़ जमीन का सौदा दिया गया था। यह सौदा जमीन दलाल अरविंदकुमार जानी के माध्यम से हुआ था। बीसीए द्वारा इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि जमीन पर कब्जे तक की सारी जिम्मेदारी अरविंद जानी की होगी। इसके तहत बीसीए द्वारा 4.11 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया. हालाँकि, भूमि अधिग्रहण औरं संचालन रुकने के बाद 2013 में ीं द्वारा सौदा रद्द कर दिया गया था और अरविंद जानी और ीं के बीच एक नए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। जिसके मुताबिक अरविंद जानी को ब्याज सहित बीसीए को 8.22 करोड़ रुपये देने का फैसला किया गया. तदनुसार, अरविंद जानी द्वारा दिए गए चेक रिटर्न के बाद 11 जुलाई 2014 को बीसीए द्वारा चेक रिटर्न शिकायत दर्ज की गई थी।

इस मामले में बीसीए को हार मिली है. फैसले में कोर्ट ने कहा है कि 'बीसीए एक रजिस्टर्ड ट्रस्ट है. 1995 से आज तक ट्रस्टियों के नाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है. चेक रिटर्न की शिकायत सबसे पहले बीसीए के मानद सचिव अंशुमन गायकवाड़ ने दर्ज कराई थी। जिसके बाद अमूल जीकर नया अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता था। ये दोनों बीसीए के ट्रस्टी नहीं हैं. इसलिए मूल शिकायतकर्ता अधिकृत नहीं है।'

दो बाइकों के बीच भिड़ंत में एक युवक की मौत, मृतक भाजपा नेता का बेटा था

गिर सोमनाथ (ईएमएस) जिले के सोनारिया गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में ऊना नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष के बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही हैं

स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही हैं जानकारी के मुताबिक गिर सोमनाथ जिले के गिर गढ़दा के सोनारिया गांव के पास हादसा हुआ हैं उना नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष का बेटा और उसका दोस्त बुलेट से राजकोट जा रहे थे। उस दौरान सोनारिया गांव के पास सामने से आ रही बाइक तेज धमाके के साथ बुलेट से टकरा गईं बाइक पर तीन लोग सवार थें

इस हादसे में बुलेट सवार और नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष के बेटे पंकज चौहान की मौके पर ही मौत हो गईं जबकि उसके दोस्त को चोट लगने के कारण इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं सामने वाली बाइक पर सवार 3 लोगों में से एक की हालत गंभीर हैं जबकि दो अन्य लोगों को चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही हैं

वड़ोदरा मंडल द्वारा दो जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर जोड़े जायेंगे अतिरिक्त डिब्बे

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए वड़ोदरा मंडल से चलने वाली दो जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

ट्रेनों में जोड़े जाने वाले अतिरिक्त डिब्बों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09111/09112 वडोदरा-गोरखपुर स्पेशल (साप्ताहिक) ट्रेन संख्या 09111 वडोदरा -गोरखपुर स्पेशल एक्सप्रेस में वडोदरा से 28 अक्टूबर और 04 नवम्बर तथा

ट्रेन संख्या 09112 गोरखपुर - वडोदरा स्पेशल एक्सप्रेस में गोरखपुर से 30 अक्टूबर और 06 नवम्बर को एक अतिरिक्त द्वितीय श्रेणी का सामान्य कोच जोड़ा जाएगा।

2. ट्रेन संख्या 09195/09196 वडोदरा-मऊ सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) ट्रेन संख्या 09196 मऊ - वडोदरा स्पेशल एक्सप्रेस में मऊ से 03 नवम्बर और 10 नवम्बर को एक अतिरिक्त द्वितीय श्रेणी का सामान्य कोच जोड़ा जाएगा।

पश्चिम रेलवे उधना - गोरखपुर के बीच एक अतिरिक्त फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाएगी

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उधना – गोरखपुर के बीच विशेष किराये पर एक अतिरिक्त फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09029 उधना - गोरखपुर स्पेशल रविवार, 27 अक्टूबर, 2024 को उधना से 23:20 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 04:00 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09030 गोरखपुर - उधना स्पेशल मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2024 को गोरखपुर से 07:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13:00 बजे उधना पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, सायन, अंकलेश्वर, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बस्ती और खलीलाबाद स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09029 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर तत्काल प्रभाव से शुरू हो गई है। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indian rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बीडीआर फार्मास्यूटिकल्स ने फार्मा कंपनियों के लिए तीसरा बीडीआर फाउंडेशन टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट लॉन्च किया

पिछले सीज़न की अभूतपूर्व सफलता के बाद, फार्मास्यूटिकल्स एपीआई और फॉर्मूलेशन उद्योग में एक अग्रणी खिलाड़ी, बीडीआर फार्मास्यूटिकल्स तीसरे टी20 फार्मा क्रिकेट टूर्नामेंट के लॉन्च की घोषणा करते हुए प्रसन्न है। 9 नवंबर से 24 नवंबर 2024 तक वडोदरा में खेला जाने वाला टूर्नामेंट पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, बेहतर और अधिक रोमांचक होने का वादा करता है, जो खेल, नेटवर्किंग और सहयोग के एक्शन से भरपूर उत्सव में फार्मास्युटिकल उद्योग के सबसे प्रतिभाशाली सितारों को एक साथ लाएगा। टूर्नामेंट में सन फार्मा, स्पिनोस, सुदीप फार्मा, शिवा, एपोथेन, आईपीसीए, ल्यूपिन, एएमआई एक्ज़ाम्ड, सेंचुरियन, ओनेरियो, वीरदेव, टू केयर बायोमेट्रिक्स और बीडीआर फार्मा जैसी शीर्ष कंपनियां एक साथ आएंगी। इस विशिष्ट खेल आयोजन का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा, सहयोग और कल्याण के मिश्रण में फार्मा कंपनियों को एक साथ लाना है। इसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धी लेकिन मैत्रीपूर्ण क्रिकेट माहौल के माध्यम से जुड़ाव को बढ़ावा देना, कल्याण को बढ़ावा देना और उद्योग संबंधों को मजबूत करना है। 19 अक्टूबर को उद्घाटन समारोह भव्य था, जिसमें बीडीआर प्रतिनिधि (बीडीआर समूह से भाग लेने वाले नेताओं के नाम) और वडोदरा के पुलिस आयुक्त (नाम) शामिल थे, जिन्होंने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस सभा के दौरान, टूर्नामेंट के लिए समूह तय करने के लिए भाग लेने वाली 16 फार्मास्युटिकल कंपनियों के कप्तान और प्रबंधक भी उपस्थित थे। आगामी रोमाचंक मैच के लिए मंच तैयार करते हुए टीम कीजर्सी और कैप का भी अनावरण किया गया। टूर्नामेंट पर बोलते हुए, बीडीआर फार्मास्यूटिकल्सकेनिदेशक,बिजनेस डेवलपमेंट,राहील शाहनेकहा,''हमें बीडीआर फाउंडेशन टी20 फार्मा क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे संस्करण को लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है, जो फार्मास्युटिकल उद्योग में खेल कौशल और सहयोग का एक असाधारण उत्सव होने का वादा करता है। . पिछले सीज़न की सफलता के बाद, हम इस वर्ष और अधिक उत्साह प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। यह आयोजन सिर्फ एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि यह फार्मा उद्योग के पेशेवरों को एक साथ आने, मजबूत रिश्तों को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वस्थ और खिलाड़ी जैसी प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। हमारा मानना है कि यह टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धी क्रिकेट के अतिरिक्त उत्साह के साथ नेटवर्किंग और सौहार्द को जोड़ने का एक अनूठा मंच प्रदान करता है। हम एक्शन से भरपूर सीज़न के लिए तैयारी कर रहे हैं।'' इस वर्ष के टूर्नामेंट में 32 मैच होंगे, जो सेमीफाइनल और फाइनल में समाप्त होंगे। सभी मैच एसजीसीए, वीसीए, केसीए और अमीन अकादमी में खेले जाएंगे।

केन्द्र शहरों में आधुनिक व सुरक्षित सार्वजनिक परिहन सेवाओं के लिए निरंतर प्रयत्नशील : खट्टर

- भारत में मेट्रो नेटवर्क से दैनिक एक करोड़ से अधिक नागरिक यात्रा कर रहे हैं : तोखन साहू

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात में राजधानी गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर आयोजित तीन दिवसीय 17वीं अर्बन मोबिलिटी इंडिया (यूएमआई) कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो का रविवार को केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में समापन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें गुजरात के वित्त एवं ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई तथा ओडिशा के शहरी विकास मंत्री के. सी. महापात्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि सफल अर्बन मोबिलिटी नागरिकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा सुविधा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, अपितु प्रत्येक नागरिक का जीवन सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त बनाने के साथ-साथ कार्बन फुटप्रिंट व प्रदूषण घटाने के लिए भी है, जिससे भावी पीढ़ी का जीवन अधिक अच्छा-सुरक्षित बन सके। भारत सरकार आज आधुनिक व सुरक्षित परिवहन सेवाओं के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96